राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 22 फरवरी 2024 वर्ष–7,अंक–30 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दुनिया के टॉप टेन अमीरों में शामिल हुए मुकेश अंबानी

नेटवर्थ 9.45 लाख करोड़ रुपए हुई, सर्गी ब्रिन को पीछे छोड़कर हासिल किया मुकाम

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ अब 114 बिलियन डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। उन्होंने गूगल के को-फाउंडर सर्गी ब्रिन को पीछे छोड़कर टॉप 10 में जगह बनाई है। इस लिस्ट में फ्रांसीसी अरबपति और लुई वितॉ मोएट हेनेसी के सीईओ बर्नार्ड अरनॉल्ट टॉप पर हैं। अरनॉल्ट की नेटवर्थ 222 बिलियन डॉलर (करीब 18.60 लाख करोड़ रुपए) है। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क हैं। उनकी नेटवर्थ 16.74 लाख करोड़ रुपए है।

5 साल में तीन गुना हुई मुकेश अंबानी की नेटवर्थ

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 5 साल में 36 बिलियन डॉलर (करीब 2.89 लाख करोड़ रुपए) से बढ़कर 114 बिलियन डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गई है। यानी अंबानी की नेटवर्थ 5 साल में दोगुने से भी ज्यादा बढ़ी है।

मिजोरम छात्र संगठन की मणिपुर सीएम को चेतावनी

मिजोरम के लोगों को निकाला तो हम मैतेइयों को निकाल देंगे

इम्फाल। मणिपुर में हिंसा और अशांति का असर अब पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी दिखने लगा है। मिजोरम सरकार ने भी म्यांमार से लगी सीमा की फेंसिंग और फ्री आवाजाही बंद करने के विरोध के बीच नोटिस जारी कर राज्य में 1950 के बाद आने वाले लोगों के जमीन खरीदने या मालिकाना हक हासिल करने पर रोक लगा दी है। दूसरी तरफ, प्रमुख छात्र संगठन मिजो स्टूडेंट्स यूनियन ने चेतावनी जारी कर कहा है कि मणिपुर से किसी भी मिजो या जनजातीय व्यक्ति को निष्कासित किया, तो हम भी मिजोरम में रहने वाले सभी मैतेइयों को बाहर निकाल देंगे। इस चेतावनी को मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के 12 फरवरी को दिए उस बयान का जवाब माना जा रहा है, जिसमें सिंह ने कहा था कि 1961 के बाद मणिपुर आने वाले हर व्यक्ति की पहचान कर राज्य से बाहर किया जाएगा। वे किसी भी जाति या समुदाय के हों, उन्हें बाहर किया जाएगा। मिजोरम के छात्र संगठन की इस चेतावनी से पूर्वोत्तर क्षेत्र के महीनों से अस्थिर इस इलाके की परिस्थिति और अधिक संवेदित होने की आशंका पैदा हो गई है। छात्र नेता का कहना है कि मिजोरम में रहने वाले सभी मैतेइयों की विस्तृत सूची भी तैयार कर ली गई है।

विधानसभा में विपक्ष ने किया हंगामा तो भड़के सीएम नीतीश कुमार

कहा-अपना जिंदाबाद का नारा लगाते रहिए, अगली बार और कम हो जाएंगे

पटना । बिहार विधानसभा में विपक्ष के हंगामा करने पर नीतीश कुमार भड़क गए। उन्होंने कहा कि अपना जिंदाबाद का नारा लगाते रहिए, ताकि अगली बार और कम संख्या हो जाएगी। बता दें कि बजट सत्र के दौरान बुधवार 21 फरवरी को विपक्ष ने सदन में जोरदार हंगामा किया। सदन के अंदर वेल में आकर महागठबंधन के विधायक हंगामा करने लगे। महागठबंधन के विधायक बीजेपी एमएलए शैलेंद्र के बयान से नाराज थे। महागठबंधन के विधायकों ने कहा कि बीजेपी विधायक शैलेंद्र ने आरजेडी के विधायक रामवृक्ष सदा को गाली दी। असंसदीय भाषा का प्रयोग किया। माफी मांगें का नारे लगाने लगे। कहा कि दलित का अपमान किया गया है। महागठबंधन के विधायक नीतीश कुमार मुर्दाबाद का नारा लगाने लगे। इस पर नीतीश कुमार भड़क गए। नीतीश कुमार ने कहा कि हमको मुर्दाबाद, अपना ज़िंदाबाद का नारा लगाते रहिए। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि अगली बार और कम संख्या में आइएगा। हालांकि महागठबंधन के विधायक कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। नारेबाजी करते हुए सदन के अंदर वेल में धरने पर बैठ गए। इस दौरान हंगामे के बाद सदन से महागठबंधन के विधायक वॉकआउट कर गए। विधानसभा परिसर में आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि सीएम जो आदेश देते हैं उसका कोई भी पदाधिकारी पालन करने का काम नहीं करता है। आज फिर हम लोगों को आवाज उठानी पड़ी। सीएम नीतीश कुमार ने जो मंगलवार को शिक्षा विभाग को आदेश दिया उसका अनुपालन नहीं हुआ और खड़े होकर नीतीश कुमार गलत बयानबाजी कर रहे हैं। पत्र में लिखा है 10 से चार बजे तक स्कूल चलेगा लेकिन जो शिक्षकों को आदेश दिया गया था वो पहले के जैसा रहेगा। यानी शिक्षक 8.30 बजे तक स्कूल पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि कल हमारे एक विधायक को बीजेपी के एमएलए ने अपमानित किया है। असंसदीय भाषा का प्रयोग किया है।

ग्रीक पीएम के साथ संयुक्त वार्ता में बोले पीएम मोदी

आतंकवाद को लेकर भारत-ग्रीस की चिंताएं समान

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस के बीच बुधवार को दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने प्रेस वार्ता में ग्रीक पीएम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 16 वर्षों बाद किसी ग्रीक प्रधानमंत्री का भारत आना एक ऐतिहासिक उत्सव है। क्यारीकोस मित्सोटाकिस के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री मित्सोटाकिस और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। पिछले वर्ष मेरी ग्रीस यात्रा के बाद उनकी यह भारत यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी का संकेत है और 16 वर्षों के बाद ग्रीस के प्रधानमंत्री का भारत आना अपने आप में एक ऐतिहासिक उत्सव है। हमारी आज की चर्चाएं बहुत सार्थक रहीं।

पीएम मोदी ने आगे कहा, हम 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य के लिए तेजी से अग्रसर हैं। हमने अपने सहयोग को नई ऊर्जा और दिशा देने के लिए कई नए अवसरों की पहचान की है।

आतंकवाद को लेकर भारत और ग्रीस की चिंताएं समान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज की बैठक में हमने कई क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। हम सहमत हैं कि सभी विवादों और तनावों का समाधान वार्ता और कूटनीति से ही किया जाना चाहिए। हम इंडो-पैसिफिक में ग्रीस की भागीदारी और सकारात्मक भूमिका का स्वागत करते हैं... भारत और ग्रीस वैश्विक शांति और स्थिरता में योगदान देने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगा। पीएम मोदी ने बताया कि आतंकवाद को लेकर भारत और ग्रीस की चिंताएं एक जैसी ही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में दोनों देशों के सहयोग को अधिक मजबूत करने

पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है। इसके साथ ही दोनों देशों ने रक्षा उद्योगों को आपस में जोडने पर सहमति जताई है।

56 में से 41 सीटों पर निर्विरोध चुने गए राज्यसभा के उम्मीदवार

-अब केवल हिमाचल, कर्नाटक व यूपी की 15 राज्यसभा सीटों के लिए होगा चुनाव

नई दिल्ली ।

राज्यसभा के लिए 56 में से 41 सीटों पर निर्विरोध उम्मीदवारों को चुन लिया गया है, अब केवल 15 सीटों पर चुनाव होने हैं। बता दें कि निर्विरोध चुने गए 41 उम्मीदवारों में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी में नए शामिल हुए अशोक चव्हाण और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ही एल मुरुगन के नाम भी शामिल हैं। अब हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश की शेष 15 सीटों पर 27 फरवरी को मतदान होगा। 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को मतदान होना है, लेकिन नाम वापसी की अंतिम तारीख बीतने के साथ ही 41 सीटों पर तस्वीर साफ हो गई है। अलग-अलग राज्यों की 41 सीटों के लिए 41 ही उम्मीदवार मैदान में थे। इन सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। अब 15 राज्यसभा सीटों के लिए 27 फरवरी को मतदान होगा।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए 41 उम्मीदवारों में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा, पार्टी में नए शामिल हुए अशोक चव्हाण और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वष्णव और एल मुरुगन शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश की शेष 15 सीटों पर 27 फरवरी को मतदान होगा। निर्विरोध चुनाव जीतने में भी भाजपा ने अपना झंडा बुलंद किया है। सत्तासीन पार्टी को राज्यसभा में अभी तक सबसे अधिक 20 सीटें हासिल हुई हैं। इसके बाद कांग्रेस ने (6), तृणमूल कांग्रेस (4), वाईएसआर कांग्रेस (3), राजद (2), बीजेडी (2) और एनसीपी, शिव सेना, बीआरएस और जेडी (यू) को एक-एक सीटें मिली हैं।

चूंकि इन 41 सीटों पर कोई अन्य उम्मीदवार मैदान में नहीं थे, इसलिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों ने नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख पर उन्हें विजेता घोषित कर दिया। नड्डा और तीन अन्य भाजपा प्रत्याशियों-जसवंतसिंह परमार, मयंक नायक और हीरा कारोबारी गोविंदभाई ढोलकिया को गुजरात से विजेता घोषित किया गया। राजस्थान से सोनिया गांधी निर्विरोध चुनी गईं, साथ ही भाजपा के चुन्नीलाल गरासिया और मदन राठौड़ भी निर्विरोध चुने गए। महाराष्ट्र के सभी छह उम्मीदवार भाजपा के चव्हाण, मेधा कुलकर्णी और अजीत गोपछड़े; शिवसेना के मिलिंद देवड़ा, प्रफुल्ल पटेल (एनसीपी) और चंद्रकांत हंडोरे (कांग्रेस) को निर्विरोध चुना गया।

इसी तरह बिहार में जदयू के संजय कुमार झा, भाजपा के धर्मशीला गुप्ता और भीम सिंह, राजद के मनोज कुमार झा और संजय यादव और कांग्रेस के अखिलेश प्रसाद सिंह जीते। पश्चिम बंगाल से टीएमसी की सुष्मिता देव, सागरिका घोष, ममता ठाकुर और भाजपा के मोहम्मद नदीमुल हक और समिक भट्टाचार्य को विजेता घोषित किया गया। केंद्रीय मंत्री मुरुगन, वाल्मिकी धाम आश्रम के प्रमुख उमेश नाथ महाराज, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर और मध्य प्रदेश बीजेपी की महिला विंग की अध्यक्ष माया नारोलिया ने मध्य प्रदेश में बीजेपी के लिए चार सीटें हासिल कीं, जबकि कांग्रेस के अशोक सिंह भी निर्विरोध जीते।

वहीं ओडिशा से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव (भाजपा) और बीजद के देबाशीष सामंत्रे और सुभाशीष खुंटिया, वाईएसआर कांग्रेस के उम्मीदवारों, जी बाबू राव, वाई वी सुब्बा रेड्डी और एम रघुनाथ रेड्डी ने आंध्र प्रदेश की सभी तीन सीटें जीतीं, जबकि पड़ोसी तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस को दो सीटें में रेणुका चौधरी और अनिल कुमार यादव और बीआरएस को एक सीट मिली, जिस पर वी रविचंद्र को जीत मिली है। उत्तराखंड में भाजपा उम्मीदवार महेंद्र भट्ट, सुभाष बराला (हरियाणा), देवेंद्र प्रताप सिंह (छत्तीसगढ़) निर्विरोध चुन लिए गए हैं।

राहुल गांधी का केंद्र पर निशाना

यह कैसा राम राज्य, जहां 90 प्रतिशत लोगों को रोजगार नहीं मिल सकता

कानपुर ।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने का दावा करने वाली केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि यह कैसा राम राज्य है जहां कुल आबादी में लगभग 90 फीसद हिस्सेदारी रखने वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को रोजगार नहीं मिल सकता। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत कानपुर पहुंचे राहुल ने शहर स्थित घंटाघर चौराहे पर एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए मोदी सरकार पर देश की आबादी में करीब 90 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के साथ नाइंसाफी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, देश में 50 प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्गों की है, दलित 15 प्रतिशत, आठ प्रतिशत आदिवासी और अल्पसंख्यक 15 प्रतिशत हैं। आप जितना चिल्लाना चाहते हैं चिल्लाएं लेकिन इस देश में आपको रोजगार नहीं मिल सकता। आप पिछड़े, दलित, आदिवासी या गरीब सामान्य वर्ग के हैं तो आपको रोजगार नहीं मिल सकता। (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी जी नहीं चाहते कि आप लोगों को रोजगार मिले। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह कैसा राम राज्य है जिसमें 90 प्रतिशत लोगों को रोजगार नहीं मिल सकता। लोग भूखे मर रहे हैं। मीडिया में बड़े-बड़े उद्योगों में आपका कोई नहीं है। किसी संस्था में आपका कोई नहीं। नौकरशाही में आपका कोई नहीं।

पाकिस्तान की कुल जनसंख्या से अधिक है यूपी की आबादी

नई दिल्ली ।

यूपी की कुल आबादी भारत के करीबी देश पो किस्तान से कहीं अधिक है। जहां यूपी की आबादी 24 करोड़ हो चुकी है, वहीं पाकिस्तान की आबादी 23.14 करोड़ ही है। यूपी आबादी के लिहाज से यह भारत का चौथा सबसे बड़ा राज्य है। 2011 की जनगणना के मुताबिक उत्तर प्रदेश में की कुल आबादी 19 करोड़ 98 लाख थी। भारत में अंतिम बार साल 2011 में जनगणना दर्ज की गई थी। इसके बाद से साल 2021 में जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड और अन्य कारणों की वजह से जनगणना नहीं हो सकी। एक सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक इस समय उत्तर प्रदेश की आबादी लगभग 24 करोड़ हो चुकी है। आप यह जानकार हैरान रह जाएंगे की यूपी की आबादी कई देशों से ज्यादा है। साल 2021 में पाकिस्तान की कुल जनसंख्या 23.14 करोड़ दर्ज हुई थी। आबादी के लिहाज से केवल चीन, अमेरिका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान ही उत्तर प्रदेश से आगे हैं। जानकारी के मुताबिक इस समय यूपी की कुल आबादी इंडोनेशिया के कुल वोटर्स के लगभग बराबर है। इंडोनेशिया में इस समय लगभग 20 करोड़ मतदाता हैं, जो कि यूपी की कुल आबादी से थोड़ा ही कम है। बता दें कि इंडोनेशिया में 49.91 फीसदी पुरुष और 50.09 फीसदी महिला वोटर्स हैं। इंडोनेशिया की आबादी इस समय 27 करोड़ 38 लाख है। आबादी के लिहाज से इंडोनेशिया दुनिया का चौथा सबसे आबादी वाला देश है। इससे ज्यादा आबादी केवल चीन, भारत और अमेरिका की है। इस समय चीन की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है। यहां कुल 141 करोड़ रहते हैं। इतना ही नहीं इंडोनेशिया में दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है। इंडोनेशिया की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या के 3.45 प्रतिशत के बराबर है। यहां लगभग 59 फीसदी लोग शहरों में रहते हैं। देश के सबसे बड़ी आबादी वाले शहर सुराबाया की कुल जनसंख्या 2.37 करोड़ है।

2500 करोड़ की म्याऊं-म्याऊं ड्रग्स जब्त

महाराष्ट्र में पुणे पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती; 5 गिरफ्तार

पुणे।

पुणे सिटी पुलिस ने पुणे और दिल्ली में दो दिनों तक चली रेड में 1,100 किलोग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है। इसकी कीमत 2,500 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। लोकल भाषा में मेफेड्रोन को म्याऊं म्याऊं भी कहते हैं। पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। महाराष्ट्र में पुणे पुलिस का यह अब तक का सबसे बड़ा ड्रग भंडाफोड़ है और भारत में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक है। पुलिस के मुताबिक, क्राइम ब्रांच ने पुणे के भैरवनगर और विश्रांतवाड़ी इलाकों में रेड के दौरान तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 1.75 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त हुई, जिनकी कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपए आंकी गई। नमक के गोदाम में नशीली दवाओं की तस्करी का काम किया जा रहा था। मेफेड्रोन की एक और बड़ी खेप पुणे के कुरकुंभ एमआईडीसी इलाके में भी रखी गई थी। पुलिस ने यहां से 650 किलो से ज्यादा ड्रग्स और कच्चा माल जब्त किया। ड्रग तस्करों से पूछताछ के बाद पुणे पुलिस की एक टीम ने दिल्ली के हौज खास इलाके में रेड की। दिल्ली के गोदाम में 400 किलोग्राम ड्रग्स बरामद हुई। आशंका है कि ड्रग्स को कुरकुंभ एमआईडीसी से नई दिल्ली ले जाया जा रहा था। पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि अब तक पांच लोगों को पकड़ा गया है, जिनमें तीन कूरियर बॉय और दो अन्य शामिल हैं। तीनों कूरियर बॉय के खिलाफ पहले से केस दर्ज हैं। एक शख्स की पहचान अनिल साबले के रूप में हुई है। अनिल साबले एक फैक्ट्री का मालिक है, जहां ड्रग्स रखी गई थी। पुलिस ने साबले को महाराष्ट्र के ठाणे के डोंबिवली से पकड़ा है। पुलिस को कुख्यात ड्रग तस्कर ललित पाटिल से आरोपियों के जुड़े होने का शक है। मामले में पाटिल की संलिप्तता को लेकर जांच जारी है। ड्रग तस्करी के नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय तस्करों के शामिल होने का भी शक है। रेड अभी भी जारी है। पुणे पुलिस और दिल्ली पुलिस जॉइंट ऑपरेशन के तहत कार्रवाई कर रही है। ड्रग्स की कीमत 3,000 करोड़ रुपए से अधिक होने की आशंका है।

पीएम मोदी आज मेहसाणा में सैंकड़ों करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे

- भारतनेट चरण-2 के अंतर्गत 2042 करोड़ रुपए के खर्च से गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क का लोकार्पण

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 22 फरवरी को अपने गुजरात दौरे के दौरान राज्य के लिए अनेक विकास कार्यों की सौगात ला रहे हैं। प्रधानमंत्री मेहसाणा में विभिन्न विभागों के 13,000 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी इस कार्यक्रम के दौरान मेहसाणा में उपस्थित रहेंगे।

भारतनेट चरण-2 के अंतर्गत 2042 करोड़ रुपए के खर्च से गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क का लोकार्पण

प्रधानमंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत भारतनेट चरण-2 के तहत 2042 करोड़ रुपए की लागत से तैयार गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क का लोकार्पण करेंगे। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 22 जिलों में फैले 35,264 किलोमीटर फाइबर नेटवर्क के साथ 8030 ग्राम पंचायतों को कवर किया गया है। जिन्हें 100 एमबीपीएस तक की हाईस्पीड इंटरनेट की सुविधा प्रदान की जा रही है। नेटवर्क में बहुत ही कम अपग्रेडेशन करने के बाद इंटरनेट की गति को प्रति ग्राम पंचायत 1जीबीपीएस तक बढ़ाया जा सकता है।

इसके अलावा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के मुख्य अकादमिक भवन का लोकार्पण, ह्यूमन और बायोलॉजिकल साइंस गैलरी तथा गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) में आकार लेने वाले गुजरात बायोटेक्नोलॉजिकल रिसर्च सेंटर (जीबीआरयू) के नए भवन का शिलान्यास भी किया जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत 2500 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा।

रेल मंत्रालय के 2300 करोड़ रुपए से अधिक के 5 विकास कार्यों का लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मेहसाणा में 2300 करोड़ रुपए से अधिक के खर्च से तैयार रेलवे की 5 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इन परियोजनाओं में राधनपुर-सामखियाळी (134.30 किमी) सेक्शन, मेहसाणा-जगुदण (10.84 किमी) सेक्शन, मेहसाणा-जगुदण (10.89 किमी) नई ब्रॉडगेज लाइन तथा मेहसाणा-भांडू मोटी दाऊ (8.89 किमी) सेक्शन आदि शामिल है। राधनपुर-सामखियाळी सेक्शन पालनपुर-सामखियाळी (247.73 किमी) रेल लाइन के दोहरीकरण का हिस्सा है, जो कच्छ के रण, जोधपुर, बीकानेर और आबू रोड जैसे पर्यटन स्थलों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा। इस परियोजनाओं के लोकार्पण से गुजरात के मेहसाणा, कच्छ, बनासकांठा, पाटण और अहमदाबाद के लोग लाभान्वित होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संदेशखाली का भंवर

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली गांव में महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न मामले में राज्य सरकार का अब तक का रवैया न सिर्फ असंवेदनशील, बल्कि राजनीतिक रूप से अदूरदर्शितापूर्ण भी कहा जाएगा। कोलकाता हाईकोर्ट की टिप्पणियों से भी यही प्रतीत होता है कि सूबे की सरकार इस मामले में अपने तईं इंसाफ सुनिश्चित करने के बजाय उसकी राह में अवरोध ही खड़ी कर रही है। राज्य में विरोधी दल के नेता सुवेंदु अधिकारी को घटनास्थल पर जाने की सशर्त इजाजत देते हुए 20 फरवरी को हाईकोर्ट ने साफ कहा कि प्रथम दृष्टया यही लगता है कि आरोपी ने जनता को नुकसान पहुंचाया है और वह अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है? इसका साफ मतलब है कि राज्य की पुलिस उसे पकड़ने में अक्षम है या फिर वह उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है! निस्संदेह, जिस तरह से संदेशखाली गांव की बाड़ेबंदी की गई या वहां विपक्षी नेताओं और मीडिया को जाने से रोका गया है, उससे यही संदेह गहराया है कि कुछ तो है, जिस पर परदा डालने की कोशिश की जा रही है। वैसे, संदेशखाली इकलौता मामला नहीं है, और न ही पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार देश की अकेली सूबाई हुकूमत है, जिसके गलत फैसलों ने एक मामले को स्थानीय से अंतरराष्ट्रीय बना दिया। लेकिन जिस सूबे की मुखिया एक महिला हो, वहां तो ऐसे किसी मामले में अतिरिक्त सक्रियता दिखनी चाहिए थी, बल्कि ममता बनर्जी ऐसा करके देश-प्रदेश में सुर्खरू ही होतीं, मगर त्वरित कार्रवाई करने के बजाय सियासी आरोपों-प्रत्यारोपों के जरिये इसे दबाने की कोशिश की गई। जनवरी के पहले हफ्ते में यह मामला प्रकाश में आया था कि पार्टी का स्थानीय नेता शाहजहां शेख व उसके गुर्गे कथित तौर पर लोगों की जमीन हड़पने, महिलाओं के शोषण और फिरौती वसूलने जैसे आपराधिक कृत्यों में शामिल हैं। आम चुनाव के मुहाने पर खड़ी तृणमूल कांग्रेस सरकार की एक संजीदा पहल संदेशखाली को राजनीतिक मुद्दा बनने और ध्रुवीकरण की राजनीति के लिए किसी अवसर को खत्म कर सकती थी, मगर ऐसा न करके उसने विपक्ष को मौका मुहैया करा दिया है। दरअसल, जिस राजनीतिक दौर में आज हम जी रहे हैं, उसमें राजनेताओं के लिए सिर्फ चुनावी जीत मायने रखती है, चाहे वह किसी अधिकारी की धोखाधड़ी से आ रही हो या किसी अपराधी के दबदबे से। शाहजहां शेखों का कवच यही वोट का लोभ बनता है। निस्संदेह, ऐसे में न्यायपालिका की जिम्मेदारी बढ़ गई है कि वह संविधान और उसके मूल्यों के पक्ष में दृढ़ता से खड़ी हो। संदेशखाली के मामले में कोलकाता हाईकोर्ट ने उचित ही कहा है, 'सिर्फ इसलिए कि लोग कुछ कह रहे हैं, उससे आरोपी दोषी नहीं बन जाएगा।' मगर यह सरकार का दायित्व है कि वह आरोपी को अदालत के सम्मुख पेश करे। सिर्फ इसलिए कि शाहजहां शेख तृणमूल से जुड़ा है और इलाके में उसकी धमक से राजनीतिक लाभ बटोरा जा सकता है, उसे किसी संदेह की छूट क्यों मिलनी चाहिए? हर राजनेता की यही महत्वाकांक्षा होती है कि वह सत्ता के शिखर तक पहुंचे, जाहिर है, ममता बनर्जी भी पूर्वोत्तर के राज्यों में ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटें जीतकर अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहती हैं। मगर संदेशखाली के घटनाक्रम ने फिलहाल उन्हें एक ऐसे सियासी भंवर में फंसा दिया है, जिसमें वह अलग-थलग पड़ती दिखाई दे रही हैं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी को श्रद्धांजलि

(लेखक - नरेंद्र मोदी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के बारे में अपने विचार व्यक्त किये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी वेबसाइट नरेंद्र मोदी डॉट इन पर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज जी के संबंध में स्वयं के द्वारा लिखे गए एक लेख का लिंक भी साझा किया है। **यहां प्रस्तुत है प्रधानमंत्री मादी द्वारा लिखा गया लेख।**

जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है। ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे। उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था। आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर ये अनुभव होता था कैसे भारत में आध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है।

आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, सब बार-बार याद आ रहा है। पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी। तब मुझे जरा भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी। वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है। इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं। उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देश सेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया। देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी। अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे। इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी। उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था। उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है।

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों और समाज सुधार की इसी महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है।

उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा। उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे। उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था। उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था।

करुणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्य जी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा, उनका जीवन, जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा। उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया। हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम, ये बताता है कि जैन धर्म में 'जीवन' का महत्व क्या है। उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है। उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया। आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे। विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया।

शिक्षा का क्षेत्र उनके हृदय के बहुत करीब रहा है। बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है। उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है। उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया। सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्व पर उनका विशेष जोर था। इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो। वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अतीत के ज्ञान में वो आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे। जैसे जल संकट को लेकर वो भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे। उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डवलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे। आचार्य जी ने

कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था। कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया। कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे।

संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषायी विविधता पर बहुत गर्व था। इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं। एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना 'मूक माटी' में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है। इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी। स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक रूप, दोनों से स्वस्थ रह सकें।

मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें। वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे। वे मतदान के प्रबल समर्थकों में से एक थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की। उनका कहना था- 'लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है।', इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए।

आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है। उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। ये गुण एक न्यायपूर्ण, करुणामयी और समृद्ध समाज के लिए आवश्यक हैं। आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है।

ऐसे कालखंड में जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब संत शिरोमणि आचार्य जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है। उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो। यही तो 'मिशन लाइफ' है जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है। इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्व दिया। उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाने पर भी बल दिया। मुझे विश्वास है कि वो नमो ड्रोन दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होते।

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी, देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे। आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे। उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ना सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

हिट विकेट हो गए कमलनाथ

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ को भाजपा ने हिट विकेट कर दिया है। पिछले एक सप्ताह से कमलनाथ के भाजपा में जाने की खबरें सुर्खियां बन रही थी। मगर भाजपा आलाकमान ने कमलनाथ के लिए पार्टी के दरवाजे नहीं खोले। चर्चा है कि मध्य प्रदेश भाजपा द्वारा कमलनाथ के भाजपा प्रवेश का विरोध किए जाने के कारण पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ के भाजपा प्रवेश के कार्यक्रम को टाल दिया है। अब कमलनाथ के सुर भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। वह बोल रहे हैं कि मैं कभी भी कांग्रेस नहीं छोड़ सकता हूं। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं और रहूंगा। जबकि एक दिन पहले तक कमलनाथ के खासमखास सज्जन सिंह वर्मा ने खुलेआम कांग्रेस पार्टी में कमलनाथ की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए उनके भाजपा में शामिल होने की पुष्टि की थी। मगर अब सज्जन वर्मा भी अपने बयानों से पलटते नजर आ रहे हैं। भाजपा में कमलनाथ को शामिल करने को लेकर अंदर खाने विरोध के स्वर उठ रहे थे। भाजपा नेता तेजिंदर सिंह बग्गा का कहना है कि कमलनाथ सिख विरोधी दंगों के अगवा रहे हैं। उन पर सिखों की हत्या करने के आरोप है। ऐसे व्यक्ति को भाजपा में शामिल नहीं करना चाहिए। हालांकि कमलनाथ हमेशा ऐसे आरोपों को नकारते रहे हैं। सभी तरह की जांच में उन्हें क्लीनचिट भी मिल चुकी है। मगर सिख समाज के मन में आज भी कमलनाथ को लेकर नकारात्मक भावना बनी हुई है। ऐसे में भाजपा कमलनाथ को पार्टी में शामिल कर सिख मतदाताओं को नाराज नहीं करना चाहती है। हालांकि तेजिंदर सिंह बग्गा का कहना है कि यदि कमलनाथ के सांसद बेटे नकुलनाथ भाजपा में शामिल होते हैं तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। क्योंकि नकुलनाथ ने सिख विरोधी कोई काम नहीं किया है।

कमलनाथ कांग्रेस में सबसे वरिष्ठ नेता माने जाते हैं। संजय गांधी के दून स्कूल के साथी कमलनाथ को 1980 के पहले लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें अपना तीसरा बेटा कहकर चुनाव जीतवाने की अपील की थी। 1980 में मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल छिंदवाड़ा से पहली बार चुनाव जीतने के बाद कमलनाथ ने कभी राजनीति में पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगातार सफलता की सीढ़ी चढ़ते गए।

कांग्रेस की केन्द्र सरकार में वह कई बार मंत्री, संगठन में पदाधिकारी, मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बनाए गए। मगर 2023 में कांग्रेस पार्टी के मध्यप्रदेश विधानसभा का चुनाव हारने के बाद पार्टी में उन्हें हाशिये पर धकेल दिया गया। उन्हें बिना पूछे ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया गया। इतना ही नहीं उनके विरोधी रहे जीतू पटवारी को उनके स्थान पर मध्य प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष व उमंग सिंघार को विधायक दल का नेता बना दिया गया। इससे कमलनाथ को बड़ा झटका लगा था और तभी से वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में अपने प्रवेश की जुगत लगाने लगे थे।

हालांकि अब कमलनाथ ने साफ कर दिया है कि वह कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा में भी वह शामिल होंगे। अगले लोकसभा चुनाव में पार्टी के सभी 29 सीटों पर प्रत्याशियों को जितवाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। मगर राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह कमलनाथ की खिसियाहट मिटाने का एक तरीका है। कमलनाथ को पता है कि भाजपा में शामिल नहीं होने के कारण पार्टी नेतृत्व के समक्ष उनकी छवि संदिग्ध की बन चुकी है। कांग्रेस आलाकमान को पता है कि जब भी मौका मिलेगा कमलनाथ कांग्रेस को अलविदा कह देंगे। इसलिए कांग्रेस आलाकमान उनको लेकर हमेशा सतर्क रहेगा और आगे उन्हें ऐसी कोई बड़ी जिम्मेदारी भी नहीं दी जाएगी जिस से उनके पार्टी छोड़ने पर पार्टी की छवि खराब हो।

कमलनाथ जैसे वरिष्ठ नेता द्वारा पिछले एक सप्ताह से जिस तरह का राजनीतिक ड्रामा किया गया था उसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। कमलनाथ की छवि एक गंभीर और सुलझे हुए नेता की मानी जाती रही है। ऐसे में भाजपा में शामिल होने को लेकर अफवाहों का जो दौर देखने को मिला उससे उनकी छवि तो खराब हुई है। आने वाले समय में वह राजनीतिक रूप से भी कमजोर हो जाएंगे ऐसी संभावना जताई जाने लगी है। अब कांग्रेस आलाकमान भी उनके समर्थकों से सीधी बात कर डैमेज कंट्रोल करने में जुट गया है। आने वाले समय में यदि कमलनाथ अपने सांसद पुत्र नकुलनाथ को भाजपा में शामिल भी करवा देते हैं तो कांग्रेस को अधिक नुकसान नहीं हो। इस बात को लेकर कांग्रेस आलाकमान अपनी गोटिया बिठाने में जुट गया है।

आज कमलनाथ की स्थिति न घर की न घाट की वाली बन गई है। भाजपा आलाकमान भी नहीं चाहता है कि महज एक छिंदवाड़ा लोकसभा सीट के लिए कमलनाथ को पार्टी में लाकर प्रदेश में एक नया गुट खड़ा करें। इसीलिए अंतिम समय में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कमलनाथ कि भाजपा एंट्री को रोक कर उन्हें ऐसा झटका दिया है जिससे वह है शायद ही कभी उबर पाए।

राजस्थान में कांग्रेस के बड़े आदिवासी नेता व कांग्रेस की कार्य समिति के सदस्य महेंद्रजीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हो गए हैं। मालवीय राजस्थान के बांगड़ क्षेत्र में बड़े कद के राजनेता है और कई बार मंत्री, विधायक, सांसद, प्रधान, जिला प्रमुख रह चुके हैं। इससे पूर्व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी भाजपा में शामिल हो गये थे। कई अन्य नेता भी कतार में हैं। कांग्रेस के ऐसे बड़े जनाधार वाले नेता पार्टी छोड़कर क्यों जा रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान को इस बात पर भी चिंतन मनन करना चाहिए।

राजनीति के जानकारो का कहना है कि मौजूदा समय में कांग्रेस के बड़े जन आधार वाले नेता हाशिये पर डाल दिए गए हैं। ऐसे कागजी नेताओं को जिन्होने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा उन्हे अग्रीम मोर्चे पर लगा दिया गया है। बिना जनाधार वाले नेता ही जुगाड़ कर राज्यसभा में पहुंच जाते हैं। उसी का नतीजा है कि कांग्रेस के जन आधार वाले नेता दूसरे दलों में अपना राजनीतिक भविष्य तलाशने लगे हैं। कांग्रेस आलाकमान को जनाधार वाले नेताओं को आगे लाना होगा तभी पार्टी अपना खोया जनाधार फिर से हासिल कर पाएगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

विचार मंथन

गोलों की आवाज से दहला हरियाणा बार्डर

(लेखक - सनत जैन)

किसानों का दिल्ली कूच, बैरिकेट्स तोड़ने पोकलेन, जेसीबी एवं बख्तरबंद गाड़ियां एमएसपी पर केंद्र सरकार का प्रस्ताव, किसान संगठनों ने खारिज कर दिया है। किसान संगठनों और सरकार के बीच की चौथी वार्ता विफल हो जाने के बाद किसान संगठन दिल्ली जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। किसान संगठनों का कहना है, कि सरकार एमएसपी कानून को लेकर किसानों को गुमराह कर रही है। किसानों ने हरियाणा सरकार द्वारा बनाए गए सभी गतिरोध को तोड़ने के लिए अपनी ओर से व्यापक इंतजाम कर लिए हैं। किसान संगठनों की ओर से बैरिकेट्स को तोड़ने के लिए पोकलेन, जेसीबी मशीन, अश्रु गैस के गोलों से बचने के लिए बड़े इंतजाम किए हैं। किसान बड़ी संख्या में बॉर्डर पर एकत्रित हो गए हैं। सरकार के सुरक्षा इंतजामों और सुरक्षा व्यवस्था को तोड़कर, दिल्ली जाने की तैयारी किसानों ने सीमा पर कर ली है। किसानों ने जिस तरह की तैयारी की है, उस तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है, हरियाणा की सीमा पर सुरक्षा बलों और किसानों के बीच टकराव होना तय है। किसान जैसे ही आगे बढ़ते हैं। अश्रु गैस के गोले सुरक्षा बल बड़ी संख्या में दाग रहे हैं। जहां किसान खड़े होते हैं, वहां अश्रु गैस के गोले ड्रोन से गिराये जा रहे हैं। सरकार ने किसानों के इस आंदोलन की गंभीरता से नहीं समझा। जिसके परिणाम स्वरूप सुरक्षा कर्मियों और किसानों के बीच टकराव रहा है। किसानों ने बार-बार कहा है, कि वह शांतिपूर्ण आंदोलन करना चाहते हैं। किसान दिल्ली जाना चाहते हैं। सरकार ने दिल्ली जाने के रास्ते में अवरोध खड़े किए हैं। हरियाणा सरकार अवरोध हटाकर उन्हें शांतिपूर्वक दिल्ली जाने का मार्ग दे। किसान इस बात से नाराज हो गए हैं, कि हरियाणा बॉर्डर में सुरक्षा बलों द्वारा जो अश्रु गैस के और के मिकल गोले छोड़े जा रहे हैं, वह काफी घातक हैं। रबड़ की बुलेट से किसानों को घायल किया जा रहा है। सीमा पर लड़ाई के दौरान जिन हथियारों का उपयोग सीमा सुरक्षा बल के जवान करते हैं। उन हथियारों का प्रयोग सरकार ने किसानो के ऊपर है। चौथे दौर की वार्ता विफल होने के बाद किसान संगठन राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट हो गए हैं। किसान और सुरक्षा बल के जवान, अब आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में हैं। किसान संगठनों द्वारा शांतिपूर्ण आंदोलन के लिए जिस तरह की रणनीति बनाई गई है। वह सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। किसान संगठनों ने 11 बजे बैरियर तोड़कर दिल्ली जाने का आह्वान किया था। सभी सीमाओं पर बड़ी संख्या में किसान एकजुट हैं। किसानों ने पिछले दो दिनों में सिंधु बॉर्डर पर पोकलेन, डोजर, जेसीबी मशीने एक त्रित की हैं। ड्रोन से जो अश्रु गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। उनसे निपटने के लिए किसानों ने व्यापक इंतजाम किए हैं। किसान संगठनों ने दिल्ली कूच करने के लिए बुजुर्गों और महिलाओं का जत्था भी सबसे आगे रखने की तैयारी की है। सरकार यदि सीमा पर कोई कार्यवाही करे, आंदोलन को बदनाम करने के लिए कोई भी कोशिश सरकार करना चाहे, तो सरकार नहीं कर पाए। किसान संगठन कह रहे हैं, कि हमारी निर्वाचित सरकार है। आंदोलन को रोकने के लिए क्या यह बुजुर्गों और महिलाओं पर गोली चलाएगी? किसान संगठन हर हाल में एमएसपी कानून, किसानो की कर्ज माफी, और पिछले आंदोलन में जो किसान मारे गए थे। उनके परिवार से एक आदमी को सरकारी नौकरी और मुआवजा की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने जब मौके की इस हालत को देखा, तब पांचवें दौर के बातचीत की पेशकश कर दी। इस पेशकश का, किसानों के ऊपर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा। किसान संगठनों का कहना है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में एमएसपी कानून बनाने का वायदा किया था। मोदी जी ने किसानों की आय दो गुना करने की बात कही थी। सरकार ने पिछले आंदोलन में किसानों से जो लिखित वायदे किए थे। वह वायदे भी सरकार ने पूरे नहीं किए। सरकार ने पिछले चार दौर की जो वार्ता किसानों के प्रतिनिधियों से की है। उसमें भी किसानों को धोखा देने के लिए, टाइम पास करने के लिए, सरकार बैठक का नाटक कर रही है। अविश्वास सरकार और किसानों के बीच में इतना बढ़ गया है, कि जब तक सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं होगी। तब तक,किसान संगठन सरकार पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। निश्चित रूप से 10 साल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केन्द्र में शासन है। केंद्र और कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। पिछले आंदोलन में जो वायदे किसानों के साथ सरकार ने किए थे। उनको पूरा करने के लिए सरकार ने कोई काम ही नहीं किया। अभी भी सरकार जो प्रस्ताव लेकर आ रही है। उसमें भी बट, किंतु, परंतु की बहानेबाजी है।

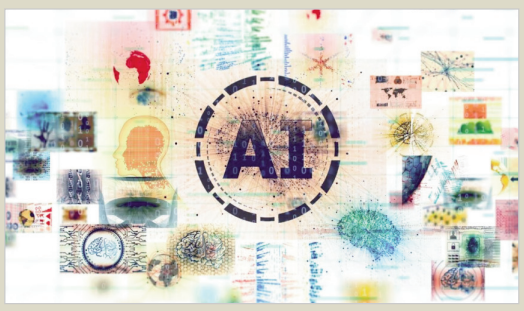

भारत का एआई बाजार 2027 तक 17 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा

नई दिल्ली । रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2027 तक 25 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 17 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। एआई निवेश में भी इसी तरह की वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार, जेनएआई सहित एआई/एमएल क्षमताओं के साथ भारत का एआई बाजार बढ़ रहा है, जो 2023 में आईटी खरीदारों द्वारा किए जाने वाले आईटी खर्च की शीर्ष श्रेणी के रूप में उभर रहा है। एआई जॉब फंक्शंस में काम करने वाले 420,000 कर्मचारियों के साथ भारत आज दूसरा सबसे बड़ा स्थापित प्रतिभा आधार है। अन्य देशों की तुलना में तीन गुना अधिक एआई कुशल प्रतिभा के साथ देश में कौशल की पहुंच भी सबसे अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले सात वर्षों में एआई में कुशल व्यक्तियों की संख्या में 14 गुना वृद्धि के साथ देश शीर्ष 5 देशों में शामिल है। जैसे-जैसे एआई में निवेश बढ़ रहा है, भारत में एआई प्रतिभा की मांग भी 15 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। कुछ संगठनों ने अपस्किलिंग के लिए समर्पित अगले तीन वर्षों में 1 अरब डॉलर का आवंटन किया है। भारतीय कंपनियां एआई के विकास के साथ तालमेल बिठाना शुरू कर रही हैं और तकनीकी क्षेत्र एआई एजेंडे को आगे बढ़ाने वाले गतिशील और विकसित उत्कृष्टता केंद्रों के साथ भविष्य के लिए तैयार संगठन बना रहा है।

बायजूज के लिए अच्छी खबर, 1,650 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू पूरा हुआ सब्सक्राइब

नई दिल्ली । परेशानियों से घिरी एडटेक कंपनी बायजूज के लिए राहत की खबर है। कंपनी का 1,650 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू पूरी तरह से सब्सक्राइब हो चुका है। इस बारे में कंपनी के फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन ने शेयरहोल्डरों को इसकी जानकारी दी। बता दें, कंपनी ने राइट इश्यू अपने पीक वैल्यूएशन से करीब 99 फीसदी कम भाव पर जारी किया था। बता दें, इसी हफ्ते के आखिर में कंपनी के शेयरधारकों की एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (ईजीएम) होनी है। इस मीटिंग को बायजू के कुछ सबसे बड़े निवेशकों ने कंपनी के नेतृत्व को हटाने और इसके बोर्ड को रिस्ट्रक्चर करने के लिए 23 फरवरी को बुलाया है। सूत्रों ने कहा कि ये 'असहमत' शेयरधारक 29 फरवरी तक इश्यू में भाग ले सकते हैं, या अपनी हिस्सेदारी बड़े पैमाने पर कम कर सकते है। फाउंडर और सीईओ बायजू रवींद्रन ने निवेशकों को पत्र लिखकर कहा, हमारे राइट्स इश्यू को पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया है और शेयरधारकों के प्रति मेरी कृतज्ञता बरकरार है। लेकिन मेरी सफलता का मानदंड राइट्स इश्यू में सभी शेयरधारकों की भागीदारी है।

देश में कम से कम 24.7 करोड़ पारिवारिक उद्यम

मुंबई । नई रिपोर्ट में दावा किया है कि देश में कम से कम 24.7 करोड़ पारिवारिक उद्यम हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022-23 में इन उद्यमों ने 8.8 लाख करोड़ डॉलर का लेनदेन किया। रिपोर्ट के अनुसार, ये उद्यमशील परिवार देश में अगली आर्थिक लहर के चालक होंगे और उनका मुख्य लेनदेन मूल्य (सीटीवी) वित्त वर्ष 2042-43 तक सालाना 12.7 प्रतिशत की औसत से बढ़कर 95.2 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा। ऐसे उद्यमशील परिवारों की आय के एक से अधिक स्रोत होते हैं। कोर ट्रांजेक्शन मूल्य पर शोध और 24.7 करोड़ उद्यमशील परिवारों की पहचान से परिवर्तनकारी विकास के लिए तैयार एक जीवंत आर्थिक खंड का पता चलता है। रिपोर्ट से पता चला है कि उद्यमशील परिवारों पर ध्यान केंद्रित करने वाले ब्रांडों ने नियोजित पूंजी (आरओसीई) पर आकर्षक लाभ कमाया है, जो वित्त वर्ष 2023 में निफ्टी 50 के करीब है।

जी इंटरटैनमेंट में 2000 करोड़ रुपये के फंड डायवर्जन का खुलासा

नई दिल्ली ।

जी इंटरटैनमेंट (जील) के लिए फंड डायवर्जन गले की फांस बन गई है । मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपनी जांच में इस बात का खुलासा किया है। बताया जा रहा है कि कंपनी में करीब 240 मिलियन डॉलर (करीब 2000 करोड़) के फंड का डायवर्जन हुआ है। बता दें कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के हवाले से ये जानकारी सामने आई है। जिसमें सेबी ने जी फाउंडर्स की जांच के दौरान ये पाया कि करीब 200 करोड़ रुपये के फंड को इस कंपनी से डायवर्ट किया गया है। गौर करने वाली बात ये है कि जब सेबी ने जांच शुरु की थी तो इसे इतनी बढ़ी रकम का अनुमान नहीं था, सेबी के अंदाजे के मुकाबले यह रकम करीब 10 गुना है। हालांकि, ये जानकारी ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट से सामने आई है। इस बारे में सेबी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इस रिपोर्ट में यह कहा गया है कि 2000 करोड़ रुपये का ये फंड डायवर्जन के आंकड़े में सेबी की रिव्यू और कंपनी की जवाब के बाद बदल सकता है। इस गड़बड़ी के पाए जाने के बाद सेबी ने कंपनी की सीनियर अधिकारियों को तलब किया है। इसमें फाउंडर सुभाष चंद्रा, उनके बेटे पुनीत गोयनका और बोर्ड अन्य सदस्य

भी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि जी के प्रवक्ता ने इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया है।

उन्होंने कंपनी की ओर से बस ये कहा है कि कंपनी जांच में सहायता कर रही है। ज़ी एंटरटेनमेंट ने सोनी ग्रुप के साथ 10 अरब डॉलर का विलय समझौता रद्द हो जाने के एक महीने बाद उस समझौते को बहाल करने के लिए सोनी से संपर्क साधा है। उद्योग सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए इसके लिए विलय से जुड़ी शर्तों का पालन न करने को वजह बताया गया था।

महिंद्रा थार का वेटिंग पीरियड हुआ 12 महीने

नईदिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की गाड़ी महिंद्रा थार की डिलीवरी 12 महीने में होने लगी है। महिंद्रा थार पर वेटिंग पीरियड कम हो गया है। पूर्व में महिंद्रा थार के लिए 15-16 महीने इंतजार करना पड़ रहा था, जो अब घटकर औसतन 12 महीने (52 सप्ताह) रह गया है। यानी इस साल फरवरी में थार बुक करने पर आप इसे 2025 की शुरुआत में घर ला सकते हैं। लॉन्च के 3 साल बाद भी भारत में महिंद्रा थार का लोगों में क्रेज कम नहीं हुआ है। 3-डोर एसयूवी की 2024 के पहले महीने में 6,059 गाड़ियां बिकी हैं। इसके आरडब्ल्यूडी वेरिएंट की सबसे ज्यादा मांग है। इसकी वर्तमान में 71,000 बुकिंग डिलीवर करनी बाकी है। इस गाड़ी को हर महीने करीब 7,000 बुकिंग मिलती है। इस गाड़ी की शुरुआती कीमत 11.25 लाख रुपये है। कंपनी अब महिंद्रा थार का 5-डोर माडल लाने की तैयारी कर रही है, जिसके इस साल के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है। 5-डोर थार की शुरुआती कीमत 15 लाख रुपये एक्स-शोरूम के आस-पास होगी।महिंद्रा थार पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्पों के साथ मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्प में आती है।

यूट्यूब ने नए लुक का अनावरण किया

सैन फ्रांसिस्को ।

गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने यूजर अनुभव को बेहतर बनाने और बड़ी स्क्रीन पर सामग्री को अधिक सुलभ बनाने के लक्ष्य के साथ अपने टीवी एप पर क्रिएटर्स के चैनलों के लिए एक नए लुक का अनावरण किया है। यूट्यूब ने अपने वीडियो में क्रिएटर्स के पेजों में बदलाव की घोषणा कर कहा कि अपडेट अधिक इमर्सिव लेआउट और सब्सक्राइब तक आसान पहुंच की पेशकश पर केंद्रित है। नया डिजाइन कंपनी के नए डेटा की पृष्ठभूमि में लांच किया गया है जिसमें पता चला है कि शीर्ष क्रिएटर्स की संख्या में, जिन्हें अपना अधिकांश वॉच टाइम टीवी पर मिलता है, पिछले तीन वर्षों में 400 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यूट्यूब के सीईओ, नील मोहन ने कहा, दर्शक सब कुछ एक ही स्थान पर चाहते हैं। कंपनी के मुताबिक, जनवरी से सितंबर 2023 तक कनेक्टेड टीवी पर यूट्यूब शॉर्ट्स के व्यूज 100 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए हैं। कंपनी ने कहा है कि विश्व स्तर पर दर्शक अब हर दिन अपने टीवी पर औसतन एक अरब घंटे से अधिक यूट्यूब कंटेंट देखते हैं। इनसाइट्स, डेटा और एनालिटिक्स में वैश्विक अग्रणी नीलसन ने यूट्यूब को पूरे एक साल तक देखे जाने के समय के हिसाब से अमेरिका में नंबर एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म बताया है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 434, निफ़्टी 141 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट आईटी और उर्जा शेयरों के नीचे आने और मुनाफावसूली से आई है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिलेजुले संकेतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा। इससे पिछले छह कारोबारी सत्र से जारी तेजी पर भी अंकुश लग गया।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 0.59 फीसदी तकरीबन 434.31 अंक नीचे आकर 72,623.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 0.64 फीसदी तकरीबन 141.90 अंक टूटकर 22,055.05 के स्तर पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.99 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा स्टेट बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक सहित 10 कंपनियों के शेयर भी लाभ के साथ ही बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर एनटीपीसी का शेयर 2.76 फीसदी टूटकर बंद हुआ। इसके अलावा पावर ग्रिड, विप्रो, एचसीएल टेक, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित 20 कंपनियों के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी ब्याज दरों में जल्द कोई कमी नहीं होने की उम्मीदों से भी आईटी और उर्जा शेयरों में गिरावट रही जिससे भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह तीस शेयरों वाला बीएई सेंसेक्स 210 अंकों की बढ़त के साथ ही 73,267 के स्तर पर खुला। वहीं

पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 33 अंक बढ़कर 22,248 पर खुला। आज शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 शेयरों में बढ़त रही जबकि निफ्टी के 15 शेयरों में गिरावट हावी रही। इसके साथ ही बैंक निफ्टी में भी अच्छी तेजी देखी गयी। इससे पहले आज सुबह प्री ओपनिंग में निफ्टी में कमजोरी आई।

तब निफ्टी में करीब 220 अंकों की गिरावट दर्ज की गयी पर थोड़ी देर बाद ही इसमें सुधार आया। अभी निफ्टी 65 अंक ऊपर आकर 22262 के स्तर पर कामकाज करता दिखा।

आज एशियाई और अमेरिकी वायदा बाजार नीचे आये। अमेरिका बाजार में डाओ 65 अंक, नैस्डैक 150 अंक फिसला है। इसके साथ ही डॉलर इंडेक्स भी 104 के नीचे आया है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कमजोर मांग से इसकी तेजी पर अंकुश लगा। इससे पहले गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

क्यूआईपी के जरिए यूनियन बैंक जुटाएगी 3000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

सरकारी क्षेत्र की यूनियन बैंक क्यूआईपी के जरिए 3000 करोड़ रुपये जुटाएगी। जानकारी के अनुसार बैंक ने अपने 3,000 करोड़ रुपये के क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य 3,000 करोड़ रुपये तक जुटाना है। इस घोषणा के बाद कंपनी की बोर्ड से मंजूरी भी मिल चुकी है। यू नियम बैंक ने क्यूआईपी के लिए शेयर की 142.78 रुपये प्रति कीमत तय की है और इसमें 5 प्रतिशत से अधिक का डिस्काउंट नहीं देने का निर्णय लिया है। मंगलवार को, यू नियन बैंक का शेयर 141.20 रुपये पर बंद हुआ, जिसमें 0.035प्रे तिशत की तेजी दर्ज की गई। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम मूल्य 155.35 रुपये है और पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 103.02प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दिसंबर तिमाही में, यू नियन बैंक का मुनाफा 60 प्रतिशत बढ़कर 3,590 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,249 करोड़ रुपये का मुनाफा था। इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय 29,137 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 24,154 करोड़ रुपये थी।क्यूआईपी, यानी क्वालिफाइड इंस्टिट्यूशनल प्लेसमेंट, एक तरह का निवेश है जिसका उद्देश्य घरेलू बाजार से रकम जुटाना है। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से मंजूरी की आवश्यकता

नहीं होती है और कंपनी शेयर की कीमत को तय करती है, जिसमें 2 हफ्ते के औसत भाव से कम नहीं हो सकता है। 2023 में कंपनियां ने क्यूआईपी के जरिए 50,218 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6 गुना अधिक है।

सैमसंग में वेतन को लेकर वार्ता विफल, यूनियन करेगी हड़ताल

सोल ।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रबंधन और एक श्रमिक संघ के बीच वेतन वार्ता विफल हो गई है। इसके बाद संघ ने हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तकनीकी दिग्गज के प्रबंधन और नेशनल सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूनियन (एनएसईयू) के बीच इस साल की वेतन वृद्धि पर आज सुबह हुई छठे दौर की वार्ता में किसी तरह की कोई सहमति नहीं बन पाई। प्रबंधन ने 2.5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का सुझाव दिया है, लेकिन एनएसईयू 8.1 प्रतिशत की माँग कर रहा है। एनएसईयू ने कहा कि वह इस विवाद को मध्यस्थता के लिए राष्ट्रीय श्रम संबंध आयोग में ले जाने की योजना बना रहा है। हालांकि आयोग में दावा दायर होने के बाद वह 10 दिन के लिए मामले में मध्यस्थता करेगा। यदि 10 दिन की मध्यस्थता के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहते हैं, तो यूनियन को हड़ताल शुरू करने का कानूनी अधिकार दिया जाएगा। बता दें कि एनएसईयू सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में सबसे बड़ा एकल श्रमिक संघ है। इसके लगभग 17 हजार सदस्य हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की 1969 में स्थापना के बाद से कंपनी में कोई हड़ताल अब तक नहीं हुई है।

बिकने ही वाली थी टाटा की कंपनी, शेयरों ने लोगों को कर दिया मालामाल

नई दिल्ली।

कभी बिकने की कगार पर पहुंची टाटा की कंपनी के शेयरों ने इंवेस्टर्स को मालामाल कर दिया है। बता दें कि टाटा की कंपनियों को हमेशा भरोसमंद माना जाता है। टाटा की लिस्टेड कंपनियों में निवेश करने से शेयरधारक घबराते नहीं हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि टाटा में उनका पैसा कहीं डूबेगा नहीं। लेकिन एक समय ऐसा था जब टाटा की एक कंपनी बिकने की कगार पर आ गई थी। टाटा मोटर्स जिसने पिछले 1 साल में अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। यह कंपनी एक समय पर फोर्ड के हाथों बिकने वाली थी। लेकिन आज इसके शेयर रॉकेट बने हुए हैं। बता दें कि टाटा मोटर्स के शेयर फिलहाल 928 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहे हैं। पिछले एक साल में यह शेयर 110 फीसदी से ज्यादा रिटर्न अपने निवेशकों को दे चुके है। वहीं, अगर पिछले 5 साल की बात करें तो शेयरधारकों को 463 फीसदी का मुनाफा मिल चुका है। अब भी इस कंपनी के शेयर में कमाई का मौका हो सकता है। सीनियर एनालिस्ट- टेक्निकल एंड डेरिवेटिव रिसर्च, ओशो कृष्णन ने कहा है कि टाटा मोटर्स का प्रदर्शन इस वित्त वर्ष में जबरदस्त रहा है। उनका कहना है कि 900 रुपये पर इसके शेयर को रजिस्टेंस देखने को मिल सकता है। वहीं, 845 रुपये पर इसे सपोर्ट मिल सकता है। उनका कहना है कि अगर शेयर 950 का लेवल पार करता है तो फिर 1000 रुपये तक जाएगा। मोतीलाल ओसवाल ने भी टाटा मोटर्स का टारगेट प्राइस 1000 रुपये दिया है। वहीं

जेएम फाइनेंशियल ने भी 1000 रुपये का लक्ष्य रखा है। प्रभुदास लीलाधर ने तो टाटा मोटर्स को 1010 रुपये का टारगेट दिया है।

छह साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची आईपीओ की संख्या

नई दिल्ली ।

साल 2023 में आईपीओ की संख्या छह साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस डेटा के अनुसार, पिछले साल कुल 243 कंपनियां भारतीय शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुईं, जो कम से कम छह साल में सबसे ज्यादा है। हालाँकि, 2023 में आईपीओ कुल राशि 7.10 अरब डॉलर रही जो में 2022 की तुलना में नौ फीसदी से ज्यादा कम है। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने अकेले भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) जैसी बड़ी कंपनी के आईपीओ से 205 अरब रुपये से अधिक जुटाए थे। संख्या के लिहाज से 2023 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों की संख्या एक साल पहले के मुकाबले 65 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। दुनिया भर के अन्य प्रमुख बाजारों में गतिविधि धीमी होने देश में आईपीओ में उछाल देखा गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में वैश्विक स्तर पर आईपीओ की संख्या 15 प्रतिशत गिरकर 1,429 हो गई और कुल लेनदेन मूल्य में 33.6 फीसदी की भारी गिरावट आई। जनवरी में जारी पीडब्ल्यूसी रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में आईपीओ आय के मामले में भारत ने वैश्विक बाजारों में तीसरा स्थान हासिल किया, जो पूंजी के स्रोतों में बदलाव और स्थानीय बाजारों के परिपक्व होने का संकेत देता है। पेशेवर सेवा फर्म ने कहा कि भारत

का नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) नवंबर 2023 में बाजार पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़कर चार लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है।

सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को तेजी रही। सोने के वायदा भाव में बढ़त के साथ कारोबार हुआ। इस पीली धातु के वायदा भाव में 62 हजार रुपये के ऊपर कारोबार दर्ज किया गया। वहीं चांदी के वायदा भाव में भी 71,400 रुपये के करीब कारोबार हुआ। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमजोर शुरुआत हुई हालांकि कुछ समय बाद ही इसमें तेजी आने लगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क भाव अप्रैल अनुबंध के तहत ही 44 रुपये बढ़कर 62,211 रुपये के स्तर पर खुला। यह 62,220 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर और 62,195 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं पिछले साल दिसंबर महीने में सोने के वायदा भाव 64,063 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च अनुबंध 126 रुपये बढ़कर 71,381 रुपये के भाव पर खुला। यह अनुबंध 169 रुपये की तेजी के साथ 71,424 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,435 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,355 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया जबकि गत वर्ष दिसंबर महीने में चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये किलो के भाव पर पहुंच गए थे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई पर बाद में इसमें सुधार देखने को मिला। कामेक्स पर सोना 2,036.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.03 डॉलर के भाव पर खुले।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेज बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। इसका कारण दुनिया भर के बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 83 डॉलर से नीचे आ गयी हैं। उत्तरप्रदेश के कुछ शहरों में जहां पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं वहीं बिहार में कम हुई हैं। उप्र के आजमगढ़ जिले में पेट्रोल और डीजल के दाम सबसे ज्ेयादा ऊपर आये हैं। आजमगढ़ जिले में आज पेट्रोल 91 पैसे बढ़कर 97.73 रुपये लीटर हो गया। यहां डीजल भी 89 पैसे महंगा होकर 91.08 रुपये लीटर बिक रहा है। वहीं राजधानी लखनऊ में इसकी कीमतें कम हुई हैं। लखनऊ में पेट्रोल 2 पैसे सस्ेता होकर 96.57 रुपये लीटर तो डीजल 2 पैसे गिरकर 89.76 रुपये लीटर हो गया है। इसके साथ ही बिहार में भी आज तेल की कीमतें घटी हैं। पटना में पेट्रोल 21 पैसे सस्ेता हुआ और 107.59 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 20 पैसे गिरावट के साथ 94.36 रुपये लीटर बिक रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। इससे ब्रेंट क्रूड के दाम 82.34 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गये हैं। डब्ेल्यूटीआई की कीमतें भी कम होकर 78.18 डॉलर प्रति बैरल हो गयी हैं।

वहीं चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

सौरभ बोले, मेरा रणजी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा नहीं हुआ

नई दिल्ली । झारखंड के कप्तान सौरभ तिवारी ने संन्यास के बाद कहा है कि उनका रणजी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका जिससे वह निराश हैं। झारखंड ने अपने अंतिम मैच में राजस्थान को 89 रनों से हराया था पर इसी के साथ ही टीम का सफर समाप्त हो गया। इसी के बाद सौरभ ने खुलासा किया कि रणजी ट्रॉफी जीतना एक सपना था जिसे वह हासिल नहीं कर पाये। सौरभ जब अपने अंतिम मैच में बल्लेबाजी करने आए तो राजस्थान के खिलाड़ियों ने उन्हें सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए एक कतार बना दी। तिवारी ने विदाई मैच में पहली पारी में 42 रन बनाए और अपने पेशेवर क्रिकेट के समापन के बाद उन्होंने रणजी ट्रॉफी जीतने के अपने अधूरे सपने के बारे में कहा। उन्होंने कहा, क्रिकेट ने मुझे दो चीजें सिखाई हैं। एक यह कि आपको हर चीज के लिए लड़ना होगा और दूसरी यह कि आपको यह समझने की जरूरत है कि आपको जीवन में सब कुछ नहीं मिलेगा। कुछ चीजें पहुंच से बाहर रहेंगी। मेरा एक सपना था कि रणजी ट्रॉफी जीतूंगा लेकिन मैं इसे हासिल नहीं कर सका। यह हमें हर चीज के लिए लड़ने की बात पर वापस ले जाता है। अब मैं टीम को रणजी ट्रॉफी जीतने में बाहर से सहायता करने में अपनी भूमिका निभाने का प्रयास करूंगा। लेकिन बाहर से।

आईपीएल में इन खिलाड़ियों का खेलना है सदिग्ध

मुम्बई ।

अगले माह मार्च में होने जा रहे आईपीएल में प्रशंसकों को एक बार फिर फटाफट क्रिकेट का रोमांच देखने को मिलेगा हालांकि आईपीएल के इस 17 वें सत्र में कई बड़े खिलाड़ियों के खेलने पर अभी भी संदेह बना हुआ है। इसमें ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के अलावा, स्पिनर राशिद खान, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और सूर्यकुमार यादव भी हैं ये दोनो ही अभी चोटिल हैं और इसी कारण टीम से बाहर हैं।

इसके अलावा कार हादसे के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी भी तय नजर नहीं आती है। ऋषभ आईपीएल से वापसी के लिए अभ्यास में लगे हुए हैं। आईपीएल 22 मार्च से शुरु हो रहा है। ऐसी संभावना है कि कुछ खिलाड़ी इस आईपीएल सत्र के शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे जबकि कुछ को पूरे सत्र से ही बाहर रहना पड़ सकता है।

ऋषभ पंत

दिल्ली कैप्टिलस के कप्तान ऋषभ पिछले एक साल से अधिक समय से खेल के मैदान से दूर है। कैपिटल्स को इस बल्लेबाज के खेलने की उम्मीद है पर जिस प्रकार से उनकी रिकवरी चल रही है उसको देखते हुए उनका खेलना तय नजर नहीं आत है। ये भी हो सकता है कि वह शुरुआती मैच नहीं खेल पायें।

मोहम्मद शमी

गुजरात टाइटंस की टीम में शामिल मोहम्मद शमी को हाल ही में चोट लग गई थी और उसके बाद से वह फिट होने के लिए रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इसी कारण वह भारतीय टीम से भी बाहर हैं। दक्षिण अफ्रीका सीरीज के बाद वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हैं। शमी ने आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। ऐसे में अगर वह नहीं खेल पाते हैं तो ये गुजरात के लिए करारा झटका होगा।

सूर्यकुमार यादव

मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पैर की चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर हैं। वह अफगानिस्तान के साथ सीरीज से भी बाहर रहे थे। सूर्यकुमार यादव को अभी भी कम से कम दो महीने के आराम की आवश्यकता होगी, ऐसे में तय है कि वह शुरुआती मैच न खेल पायें।

राशिद खान

गुजरात टाइंटस टीम में शामिल अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान की हाल ही में सर्जरी हुई थी जिससे उबरने में उन्हें समय लगेगा। इसी कारण वह भारत और अफगानिस्तान के बीच टी20 सीरीज भी नहीं खेल पाये थे। राशिद आगामी पीएसएल 2024 में भी नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनका आईपीएल 2024 में भी खेलना बेहद संदिग्ध नजर आता है।

हार्दिक पंड्या

मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं, इसी कारण वह भारतीय टीम से भी बाहर हैं। उन्होंने अपना अंतिम मैच विश्व कप में खेला था जिसमें उन्हें चोट लग गई थी। उसी के बाद से ही वह वापसी नहीं कर पाये हैं। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए वह बेहद अहम खिलाड़ी रहेंगे। ऐसे में उन्हें आईपीएल में उतारकर बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा।

आईसीसी रैंकिंग में यशस्वी ने लंबी छलांग लगायी

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने लंबी छलांग लगायी है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाने के बाद यशस्वी 14 पायदान ऊपर आकर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा पहली पारी में लगाये शतक से 41वें से 34वें स्थान पर आ गये हैं। वहीं उन्हें मैच में दूसरी पारी में पांच विकेट लेने के कारण गेंदबाजी रैंकिंग में लाभ हुआ है और वह तीन स्थान ऊपर उठाकर छठे स्थान पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा जडेजा ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर अपनी स्थिति ओर मजबूत कर ली है और वह अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 469 रेटिंग अंक पर पहुंच गए हैं।

वहीं पहली पारी में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के बाद कप्तान रोहित शर्मा को भी एक स्थान का लाभ हुआ है और वह 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में 91 रन बनाने वाले शुभमन गिल को भी तीन स्थानों का लाभ हुआ है और वह 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तीसरे टेस्ट से कैप हासिल करने वाले सरफराज खान और ध्रुव जुरेल ने अपनी अच्छे प्रदर्शन से रैंकिग में 75 वां और 100 वां स्थान हासिल किया। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट की पहली पारी में 153 रन की आक्रामक पारी के कारण मिले लाभ से 12 स्थान ऊपर उठाकर 13वें स्थान पर पहुंच गये हैं। तेज गेंदबाज मार्क वुड मैच अच्छी गेंदबाजी के कारण 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर कायम हैं। विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक लगाकर शीर्ष पर अपना स्थान मजबूत किया है।

टी20 प्रारुप को एकदिवसीय से बेहतर नहीं मानते इयान चैपल

सिडनी ।

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि एकदिवसीय प्रारुप अभी भी टी20 से काफी बेहतर है। चैपल ने साथ ही कहा कि जो भी ये सोचता है कि टी20 अच्छा है वह गलत है। इस क्रिकेटर ने कहा कि प्रशासकों के उपेक्षापूर्ण रवैये से ही उन्हें 50 ओवर के प्रारूप के भविष्य को लेकर खतरा नजर आता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच चैपल-हेडली ट्रॉफी साल 2004 से लेकर अब तक एकदिवसीय प्रारुप में खेली जाती थी पर अब इसे भी टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। जिससे अब एकदिवसीय के भविष्य को लेकर आशंकाएं लगायी जाने लगी हैं। चैपल ने कहा, निश्चित रूप से आर्थिक लाभ को देखते हुए प्रशासकों की वरीयता टी20 क्रिकेट है और इसी कारण ज्यादा से ज्यादा टी20 क्रिकेट खेला जा रहा है। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट कम खेला जा रहा है पर जो कोई भी सोचता है कि टी20, 50 ओवर के खेल से बेहतर है, वह गलत है। प्रशासकों ने 50 ओवर के क्रिकेट की अपेक्षा शुरु कर दी है। मुझे लगता है कि उन्होंने इसे उस बिंदु तक जाने दिया है, जहां वे इसे फिर से पहचान दिलाने में सफल नहीं हो पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया चैपल-हेडली ट्रॉफी का धारक है, जो आखिरी बार सितंबर 2022 में केर्न्स में तीन एकदिवसीय मैचों के लिए खेला गया था। चैपल का मानना है कि 50 ओवर का प्रारूप अब कभी भी वह लोकप्रियता हासिल नहीं कर पाएगा, जो पहले हुआ करती थी।

2021 जैसी सीरीज जीत को दोहरा पायेगी भारतीय टीम ?

मुम्बई ।

भारतीय टीम मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ रांची में होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। वहीं इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट में करारी हार झेलनी पड़ी थी जिससे उपर इस मैच में बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। अब तक के जो समीकरण बन रहे हैं उसमें इस सीरीज में भारतीय टीम की जीत तय नजर आ रही है। पिछली बार भी भारतीय टीम ने इसी प्रकार से वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। साल 2021 में जब इंग्लैंड की टीम भारत का दौरा करने आई थी। तब उसने भारत में कुल 4 टेस्ट मैच खेले थे। पहला मैच इंग्लैंड ने जीता था पर इसके बाद भारतीय टीम ने बचे हुए तीन मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया था। इस बार भी पहला मैच मेहमान टीम ने जीता जबकि उसके बाद के दोनो ही मैच भारतीय टीम ने जीते हैं। अब देखन होगा कि क्या भारतीय टीम 2021 वाले कारनामे को दोहरा पायेगी कि नहीं।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहला मुकाबला हैदराबाद में खेला गया था, जिसे मेहमान टीम ने अपने नाम किया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में खेले गए दूसरे मुकाबले को 106 रनों से जीता। वहीं तीसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम ने बड़ी जीत हासिल की। राजकोट टेस्ट में भारतीय टीम ने जीत के साथ ही कई रिकार्ड भी बनाये। वहीं अब रांची में भारतीय टीम दो बदलाव के साथ उतरेगी। जसप्रीत बुमराह को आराम देकर मुकेश कुमार ओर केएल राहुल की जगह पर रजत पाटीदार को शामिल किया जाएगा

भारतीय टीमः

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, केएल राहुल, केएस भरत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार।

संक्षिप्त समाचार

रांची में नहीं खेलेंगे बुमराह और राहुल

मुकेश ओर पाटीदार को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय

रांची । भारतीय टीम को रांची में इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरना होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसी ने बुमराह हो कार्यभार प्रबंधन की नीति के तहत आराम दिया है। वह पांच टेस्ट में वापासी करेंगे। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है। बुमराह ने अब तक इस सीरीज में शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी खलेगी। बीसीसीआई ने कहा, बुमराह को रांची में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट के लिए टीम से रिलीज कर दिया गया है। यह फैसला सीरीज की लंबी अवधि और हाल के दिनों में उनके द्वारा खेले गए क्रिकेट को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बुमराह के अलावा बल्लेबाज राहुल भी चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। राहुल अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरें हैं। धर्मशाला में फिट होने पर ही वह अंतिम टेस्ट मैच में खेल पायेंगे। वहीं राजकोट में तीसरे टेस्ट के लिए टीम से रिलीज किए गए तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को चौथे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिली है। टीम इस प्रकार है = रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप। राहुल के टीम में शामिल नहीं होने के कारण रजत पाटीदार को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना तय है। इसके अलावा विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी युवा ध्रुव जुरेल के पास ही रहेगी। तीसरे टेस्ट में जुरेल ने काफी अच्छा खेला था। इसमें उनकी विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी अच्छी रही थी।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने डकेट से कहा, यशस्वी से कुछ सीखो

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को लेकर की गयी बेन डकेट की टिप्पणी पर नाराजगी जतायी है। डकेट ने कहा था कि हमारी आक्रामक रणनीति के परिणाम स्वरुप ही यशस्वी को तेजी से बल्लेबाजी करने पड़ी इसलिए उनकी दोहरे शतक की पारी का कुछ श्रेय हमें भी मिलना चाहिये। इसी पर नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा कि इस प्रकार की बातें करने की जगह डेकेट और अन्य खिलाड़ियों को अपने अंदर झांकना होगा और यशस्वी से सीखना चाहिये। तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के खेल के बाद जायसवाल की शानदार दोहरे शतक की पारी को लेकर डकेट ने कहा, जब आप विपक्षी खिलाड़ियों को इस तरह खेलते हुए देखते हैं, तो लगभग ऐसा लगता है कि हमें कुछ श्रेय लेना चाहिए कि वे अन्य लोगों के टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके से अलग खेल रहे हैं। यही बात हुसैन को पसंद नहीं आई, जिन्होंने डकेट को फटकार लगाई और इंग्लैंड के खिलाड़ियों से आक्रामक रणनीति का समर्थन करने के मामले में फिर से विचार करने को कहा। हुसैन ने कहा, उसने आपसे नहीं सीखा है। उसने अपने पालन-पोषण से सीखा है, बड़े होने में उसे जो कड़ी मेहनत करनी पड़ी है।

सम्मान समारोह में मनोज तिवारी बोले, युवा खिलाड़ियों ने आईपीएल वाली मानसिकता अपना ली

कोलकाता ।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि आजकल युवा खिलाड़ियों ने आईपीएल वाली मानसिकता अपना रखी है। इसी कारण वे घरेलू क्रिकेट खेलने में रुचि नहीं रखते। मनोज ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य करने के बीसीसीआई के फ़ैसले पर ये बात कही है। तिवारी ने कहा उन्होंने पिछले कुछ साल में कई बार इस इस बारे में अपनी चिंता ज़ाहिर की थी। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में ही सोशल मीडिया पर कहा था कि रणजी ट्रॉफ़ी को अगले सत्र से कैलेंडर से हटा दिया जाना चाहिए क्योंकि अब ये प्रासंगिक नहीं रहा है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट में कई बातों का उल्लेख किया था। जिसमें ख़राब अंपायरिंग, ठंड में उत्तर और पूर्वी भारत में मैचों का कार्यक्रम और ए टूर का कार्यक्रम शामिल था। ए टूर के कार्यक्रम के कारण ही कई टीमों को अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने पर मजबूर होना पड़ा था। स्वयं बंगाल की टीम भी रणजी में मुकेश कुमार, आकाश दीप और अभिमन्यु ईश्वरन जैसे मुख्य खिलाड़ियों के बिना ही उतरी थी। तिवारी पर हालांकि इस पोस्ट के कारण जुर्माना भी लगाया गया था। संन्यास के बाद तिवारी ने अपने सम्मान समारोह में कहा,

अगर मैंने सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं किया होता तो बीसीसीआई की ओर से ऐसा दिशानिर्देश भी नहीं आता। मेरे पोस्ट के चलते ही बीसीसीआई सचिव को रणजी को अनिवार्य बनाने का फ़ैसला करना पड़ा है।

टूर्नामेंट के इस स्तर पर उनके इस फ़ैसले से यह अब लगता है कि वह भी आईपीएल में सफल हो चुके हाई प्रोफ़ाइल खिलाड़ियों सहित अन्य खिलाड़ियों द्वारा रणजी ट्रॉफ़ी को अधिक महत्व नहीं देने से चिंतित हैं।

इस महीने की शुरुआत में ही बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि खिलाड़ियों को आईपीएल के कारण घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं करनी चाहिये क्योंकि राष्ट्रीय टीम चयन के लिए रणजी में अपने को साबित करना जरुरी है।

ऋषभ आईपीएल से वापसी के लिए तैयार , अभ्यास का वीडियो साझा किया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी अब नजदीक आती जा रही है। ऋषभ फिट हो गये हैं और उनके अगले माह आईपीएल से फिर मैदान में उतरने की उम्मीद है। इससे उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। ऋषभ ने अब अभ्यास का एक वीडियों साझा किया है। इसमें वह बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं। इस दौरान वह काफी अच्छे शॉट लगाते दिखे। इसके अलावा वह इस वीडियों में विकेटकीपिंग भी करते नजर आये। इससे उन्होंने संकेत दे दिया है कि वह आईपीएल 2024 सत्र में खेलने के लिए तैयार हैं। आईपीएल 2024 सत्र 22 मार्च से शुरू होगा। वह दिसंबर 2022 में कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हो गये थे। इस हादसे में वह गंभीर रुप से घायल हो गये थे और उनके घुटने की सर्जरी भी हुई थी। इसके बाद उन्होंने तेजी से रिकवरी की और अब मैदान पर लौट रहे हैं। उन्होंने पिछले दिनों अभ्यास मैच में भी भाग लिया था। वह अभी दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार ऋषभ आईपीएल 2024 में वापसी के लिए तैयार हैं पर उन्हें शुरुआती मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे शुरुआत में उनपर अधिक दबाव नहीं पड़ेगा।

बाबर पाक टीम के विकास में भूमिका निभाएं : हफीज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व निदेशक मोहम्मद हफीज ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें महान बल्लेबाज बताया पर कहा कि उन्हें टीम के विकास में अहम भूमिका निभानी होगी। बाबर ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस सीरीज में 57, 66 और 58 के स्कोर दर्ज किए और श्रृंखला में कुल मिलाकर 42.6 की औसत से 213 रन बनाए। हफीज ने एक साक्षात्कार में कहा, आप एक महान खिलाड़ी हैं, आप एक अद्भुत खिलाड़ी हैं और आप शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं, हालांकि, आपको पाक टीम का विकास करना होगा। उन्होंने कहा कि बाबर को स्थितिगत बदलाव अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि वह बाबर की प्रतिभा और क्षमता की सराहना करते हैं पर उनसे टीम के लिए पारी की शुरुआत करने की जगह पर नंबर तीन पर खेलने को कहा। हफीज ने कहा, हमें एक टीम विकसित करने की जरूरत है और इसके लिए मैं चाहता हूं कि आप तीसरे नंबर पर खेलें क्योंकि आप पिछले छह साल से एकदिवसीय में इसी नंबर पर उतर रहे हैं।

चौथे टेस्ट में गेंदबाजी करते दिख सकते हैं स्टोक्स

राजकोट।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स अब रांची में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में एक बार फिर गेंदबाजी करते दिख सकते हैं। मेहमान टीम को पिछले दोनो ही मैचों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। इससे एक बार फिर स्टोक्स के पास गेंदबाजी के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। वहीं टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम भी इससे सहमत हैं पर उनका कहना है कि इस बारे में कप्तान जल्दबाजी नहीं करे क्योंकि वह हाल ही में घुटने की सर्जरी से उबरे हैं। स्टोक्स ने सर्जरी से उबरने के बाद पिछले साल जून में दूसरे एशेज टेस्ट के बाद से गेंदबाजी नहीं की है। वहीं तीसरे टेस्ट से पहले स्टोक्स ने कहा था कि उन्होंने अपने फिजियोथेरेपिस्ट से कहा है कि वह मौजूदा श्रृंखला में गेंदबाजी नहीं करेंगे पर रविवार को तीसरे टेस्ट में 434 रन की हार के बाद जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपनी ऑलराउंडर की भूमिका दोबारा निभाएंगे तो स्टोक्स ने कहा, 'मैं हां नहीं कह रहा हूं, मैं ना भी नहीं कह रहा हूं।

उन्होंने कहा, 'मैं ज्यादातर चीजों के बारे में हमेशा बहुत आशावादी रहता हूं। मेडिकल टीम के साथ विस्तृत बातचीत होगी कि मुझ पर काम का कितना बोझ है जिससे कि मुझे कोई बड़ा खतरा नहीं हो। राजकोट टेस्ट के दौरान स्टोक्स ने शत प्रतिशत क्षमता से ट्रेनिंग की थी और स्वीकार किया था कि उन्हें काफी अच्छा महसूस हो रहा है पर वह अभी गेंदबाजी के लिए अपने को फिट नहीं मानते। मैकुलम ने कहा, 'यह अच्छा है कि अब वह उस स्थिति में पहुंच रहा है जहां उसे लगता है कि वह गेंदबाजी कर सकता है। उन्होंने कहा, 'पर स्टोक्स काफी समझदार है। वह तब तक गेंदबाजी नहीं करेगा जब तक उसे नहीं लगता कि वह बेहतर गेंदबाजी कर सकता है। वहीं परेशानी तब आयेगी जब वह गेंदबाजी शुरू करेगा और फिर उसे खत्म नहीं कर पाएगा। इसलिए हम देखेंगे कि क्या होता है। मैकुलम ने कहा, 'हमें देखना होगा कि खतरा कहां है और उसे इससे दूर करने की कोशिश करनी होगी। लेकिन यह एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'मैं अभ्यास के एक दिन शत प्रतिशत क्षमता के साथ गेंदबाजी करने में सफल रहा जिससे मुझे काफी अच्छा महसूस हुआ। मुझे लगा कि मैं मैच में गेंदबाजी कर सकता था लेकिन यह बेवकूफी होती।

अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी इंग्लैंड : मैक्कुलम

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कोच ब्रेंडन मैक्कुलम ने कहा है कि शुक्रवार से रांची में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट में भी उनकी टीम अपनी आक्रामण रणनीति से ही उतरेगी। मैक्कुलम ने भारतीय टीम को चेताया है कि उनकी टीम तीसरे मुकाबले में मिली करारी हार के बाद भी अपनी आक्रामक रणनीति को नहीं बदलेगी और जीत के इरादे से उतरेगी। कोच को अब भी भरोसा है कि उनकी टीम इस सीरीज में बाजी पलटने में सफल रहेगी। इंग्लैंड के कोच ने कहा कि हम अब भी बाजी पलटेंगे और भारत को फिर से दबाव में लाने के प्रयास करेंगे। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। उन्होंने माना कि भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में मिली करारी हार से सभी खिलाड़ी आहत हैं पर इससे वह निराश नहीं हैं। टीम के सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन में सक्षम हैं। मेहमान टीम ने सीरीज का पहला मैच हैदराबाद में जीता था पर इसके बाद उसे दूसरे और तीसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इन मैचों में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज नाकाम रहे थे। टीम को तीसरे टेस्ट में 434 रनों से बेहद करारी हार झेलनी पड़ी थी। ये साल 1934 के बाद रनों के लिहाज से इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार थी। कोच ने इसके बाद भी कहा कि आक्रामक तरीके से बल्लेबाजी करने की अपनी रणनीति पर बने रहने पर उन्हें किसी तरह का दुख नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम रुख पलटेंगे और भारतीय टीम को फिर से दबाव में लाने की कोशिश करेंगे। लोग अपनी राय रखने के लिए आजाद हैं हालांकि हमें कुछ अवसरों पर असफलताओं का भी सामना करना पड़ा है। '' वहीं इंग्लैंड के कई दिग्गज पूर्व कप्तानों नासिर हुसैन और माइकल वॉन ने आक्रामक रणनीति की आलोचना करते हुए कहा था कि हर मामले में ये प्रभावी नहीं रहती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

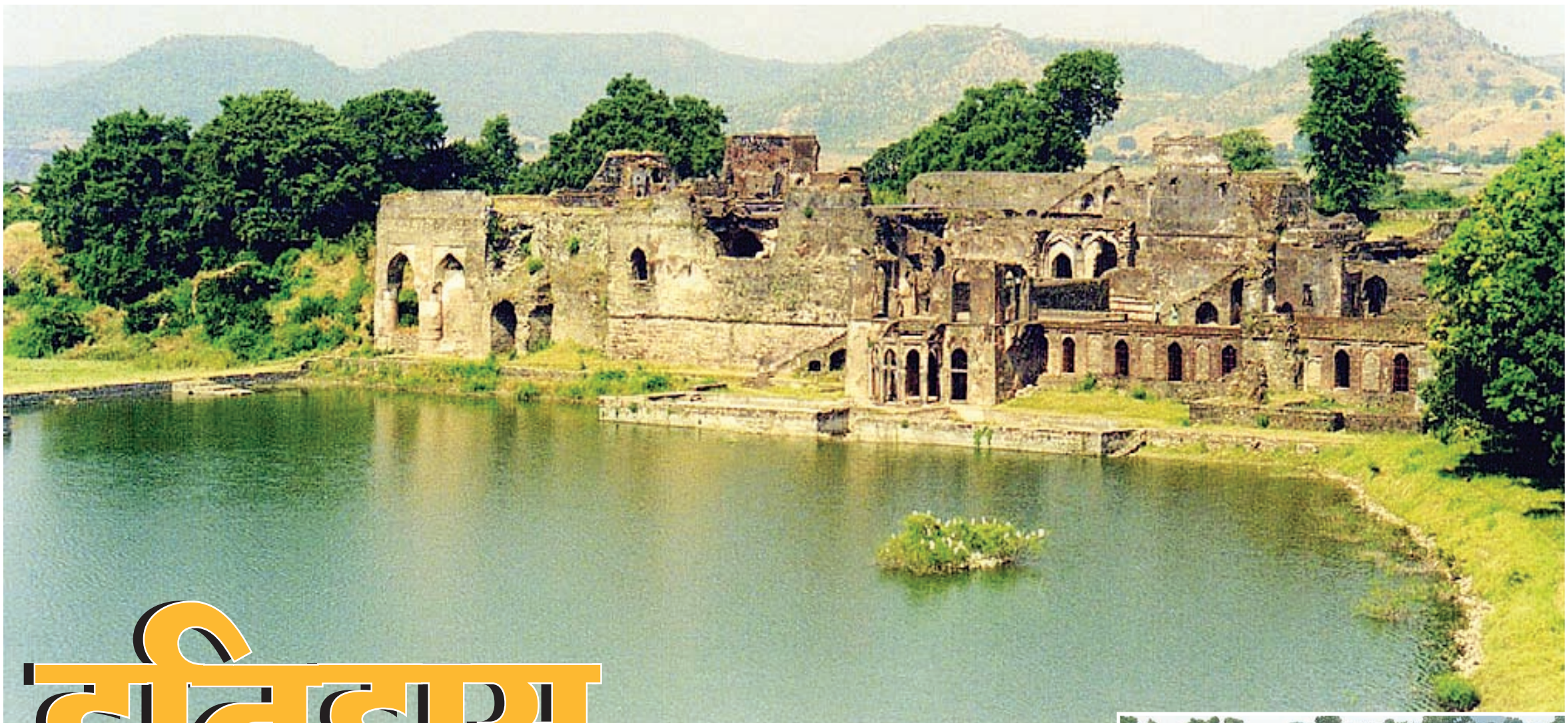

इतिहास और प्रेम का शहर माण्डू

माण्डू को रचने-बसाने का प्रथम श्रेय परमार राजाओं को है। हर्ष, मुंज, सिंधु और राजा भोज इस वंश के महत्वपूर्ण शासक रहें हैं। किंतु इनका ध्यान माण्डू की अपेक्षा धार पर ज्यादा था, जो माण्डू से महज 30 किलोमीटर है। परमार वंश के अंतिम महत्वपूर्ण नरेश राजा भोज का ध्यान वास्तु की अपेक्षा साहित्य पर अधिक था और उनके समय संस्कृत के महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे गए। मांडू प्राचीन शहर है और इसका जिक्र 555 ईसवीं के संस्कृत अभिलेखों में भी है। इन अभिलेखों से पता चलता है कि मांडू छठी शताब्दी का खूबसूरत शहर हुआ करता था। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में परमार वंश के शासकों ने इस पर अधिकार किया और इसका नाम मांडवगढ़ रखा। 13वीं शताब्दी में परमारों ने अपनी राजधानी धार से मांडू स्थानांतरित कर दी और इस शहर का महत्व बढ़ गया। 1305 में खिलजी वंश से पराजित होने के बाद परमारों का मांडू से आधिपत्य समाप्त हो गया। मध्य प्रदेश के 21 वर्ग किलोमीटर तक फैले पठार पर बना मांडू, प्रेम के शहर के रूप में भी याद किया जाता है. यह मध्य प्रदेश के विंध्य पर्वतमाला और दक्षिणी इंदौर के पश्चिम में बसा हुआ है।

मुगलों के साम्राज्य के पतन के बाद मालवा के अफगान गवर्नर दिलावर खान ने मांडू को स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित किया। उन्होंने मांडू का नाम बदलकर सादियाबाद यानी खुशियों का नगर रखा। दिलावर खान गौरी के पुत्र हरशंग शाह ने मांडू का विकास किया और इसे संपन्न बनाया। यह युग मांडू का स्वर्णकाल कहा जाता है। इसके बाद कई मुगल शासकों ने मांडू पर राज किया फिर 1732 में मराठों ने इस पर अधिकार कर लिया।

अद्वितीय वास्तुशिल्प

सुल्तानों के काल में यहां महत्वपूर्ण निर्माण हुए। दिलावर खां गोरी ने इसका नाम बदलकर शादियाबाद (आनंद नगरी) रखा। होशंगशाह इस वंश का महत्वपूर्ण शासक था। मुहम्मद खिलजी ने मेवाड़ के राणा कुम्भा पर विजय के उपलक्ष्य में अशर्फी महल से जोड़कर सात मंजिला विजय स्तंभ का निर्माण कराया (अब इसकी केवल एक ही मंजिल सलामत है)। हालांकि यह तथ्य विवादित है क्योंकि राणा कुम्भा ने भी मुहम्मद खिलजी पर विजय की स्मृति में चित्तौड़ के विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ का निर्माण कराया था। आमतौर पर इतिहासकार मानते हैं कि राणा ने खिलजी को बंदी बनाया था और माफी पर उसे छोड़ा था। फिर भी फरिश्ता जैसे इतिहासकार मुहम्मद खिलजी की वीरता की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं। वह लिखता है कि खिलजी हमेशा युद्ध में रहता है। अशर्फी महल का निर्माण मदरसे के तौर पर हुआ था और उसके कई कमरे आज भी काफी अच्छी अवस्था में हैं।

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी

बाज बहादुर और रानी रूपमती की प्रेम कहानी की वजह से भी मांडू की अलग पहचान है। बाज बहादुर संगीतज्ञ थे जबकि रानी रूपमती गायिका थीं। वह रूपमती से गायिकी सीखना चाहते थे। कहा जाता है जब उन्होंने रानी रूपमती को जंगल में स्नान करते देखा तो उन पर फिदा हो गये। उन्होंने रूपमती को मांडू आने का न्यौता दिया लेकिन रूपमती नर्मदा नदी के दर्शन करके ही गाना गाती थीं। इसलिए बाज बहादुर ने उनका आश्रय ऐसे स्थान पर बनाया जहां से नर्मदा नदी को आसानी से देखा जा सके। दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी में इसका नाम मांडवगढ़ था लेकिन बाद में इस शहर को सादियाबाद के नाम से भी जाना गया। समुद्र तल से 2000 फीट की ऊंचाई पर बसा मांडू इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है।रूपमती के सौन्दर्य की चर्चा दूर-दूर तक फैल चुकी थी और इसी चर्चा से प्रभावित होकर अकबर ने मांडू पर आक्रमण कर दिया। इसकी भनक लगते ही रूपमती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। बाद में बाज बहादुर अकबर के दरबार में संगीतज्ञ बन गये।

आल्हा-ऊदल के वीरता की कहानी

आल्हा-ऊदल के बिना माण्डू का वर्णन अधूरा माना जाता है। आल्हाखण्ड में महाकवि जगनिक ने 52 लड़ाइयों का जिक्र किया है। उसमें पहली लड़ाई माड़ौगढ़ की मानी जाती है, जिसका साम्य इसी माण्डू से किया जाता है। इसलिए आल्हा गायकों के लिए माण्डू एक तीर्थस्थल सरीखा है। बुंदेलखंड के लोग यहां इस लड़ाई के अवशेष देखने आते हैं। राजा जम्बे का सिंहासन, आल्हा की सांग, सोनगढ़ का किला, जहां आल्हा के पिता और चाचा की खोपड़ियां टांगी गई थी और वह कोल्हू जिसमें दक्षराज-वक्षराज को करिंगा ने पीस दिया था। ये सब आज भी आल्हा के मुरीदों को आकर्षित करते हैं।

'माण्डू सिटी ऑफ जॉय' के लेखक गुलाम यजदानी के अनुसार माण्डू के भवन रोमन, ग्रीक ईरानी, यूनानी, गैथिक, अफगान और हिंदू शैली से बने हैं। हिंदू शैली में बने भवन मुख्य हैं- हिण्डोला भवन, जामी मस्जिद, होशंगशाह का मकबरा आदि। पत्तियां, कमल के फूल, त्रिशूल, कलश, बंदनवार आदि इसके गवाह हैं। अफगान शैली में बने भवन हैं- रूपमती मण्डप, बाजबहादुर महल दरिया खां का मकबरा, जहाज महल आदि।

क्या देखें

सोलहवीं शताब्दी में बाज बहादुर द्वारा बनाया गया महल यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में शामिल है। इस महल की विशेषत यह है कि यहां से चारों तरफ का बेहतरीन नजारा नजर आता है। महल मुगल और राजस्थानी शैली का मिश्रित रूप है. इसके अलावा, यहां रूपमती मंडप भी स्थित है, जिसे सेना द्वारा निगरानी रखने के लिए बनवाया गया था। मंडप किले के बिल्कुल किनारे पर बना है। यहां की खासियत यह है कि यहां से नर्मदा नदी और उसके मैदानों का सुंदर नजारा दिखाई पड़ता है. यहीं मंडप रानी रूपमती का आश्रय स्थल था। मांडू की सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक इमारत जहाज महल है। यह बिल्कुल पानी के जहाज के आकार का बना है. इसकी लंबाई 120 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर है। इस महल के पश्चिम और पूर्व में दो झीलें भी हैं। मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक इन झीलों से घिरा यह महल ऐसा लगता है जैसे कोई जहाज बंदरगाह पर खड़ा हो। इस महल का निर्माण गयासुद्दीन खिलजी ने करवाया था। यहां पहाड़ी की खड़ी ढाल पर नीलकंठ मंदिर स्थित है और आज भी श्रद्धालु वहां पूजा-अर्चना करते हैं। इसके अलावा, यहां हाथी महल, दरियाखान मकबरा, मांडू के 12 प्रवेश द्वार, हिंडोला महल, रीवा कुंड, चम्पा बावली, अशरफी महल, जैन मंदिर आदि ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थल हैं, जिसे देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

कब जाएं

मांडू घूमने के लिए मानसून से बेहतर मौसम और कोई हो ही नहीं सकता. जुलाई से अगस्त तक मांडू घूमने के लिए उपयुक्त समय है। इस दौरान यहां की हरियाली और पानी से भरे हुए जलाशय पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बारिश से धुल कर यहां की ऐतिहासिक इमारतें और भी साफ नजर आने लगती हैं।

कैसे पहुंचें

वायुमार्ग: मांडू जाने के लिए इंदौर नजदीकी एयरपोर्ट है. यह प्रमुख एयरलाइन्स द्वारा भोपाल, ग्वालियर, मुंबई, दिल्ली और जयपुर से जुड़ा है। इंदौर से मांडू की दूरी 99 किमी है. सड़क मार्ग से यहां तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते हैं।

रेलमार्ग: यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन रतलाम और इंदौर हैं. यह इंदौर से 99 किमी. और रतलाम से 124 किमी. दूर है। इंदौर से मांडू बस या टैक्सी से भी पहुंच सकते हैं।

सड़क मार्ग : इंदौर मांडू मार्ग नियमित रूप से बस से जुड़ा हुआ है. भोपाल से भी मांडू के लिए बसें चलती हैं।

जहाज महल

जहाज महल माण्डू का सर्वाधिक चर्चित स्मारक है। चारों तरफ पानी से घिरे होने के कारण यह जहाज का दृश्य उपस्थित करता है। इसकी आकृति टी के आकार की है। इसका निर्माण परमार राजा मुंज के समय हुआ किंतु इसके सुदृढ़ीकरण का श्रेय गयासुद्दीन खिलजी को है। माण्डू की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अंत- भूगर्भीय संरचना है। माण्डू का फैलाव जितना ऊपर है उतना ही नीचे है। शत्रु के आक्रमण के समय यह भूगर्भीय रचना सुरक्षा का एक साधन भी थी। यह संरचना अपने निर्माण से आज भी विस्मृत करती है। धार व माण्डू के बीच बने 35 भवन एक अन्य आश्चर्यजनक निर्माण हैं। येभवन इको प्वाइंट का काम करते थे। सुल्तान जब माण्डू से धार के लिए निकलता था तो इन्हीं भवनों से उसके आने की खबर दी जाती थी। माण्डू से कुछ दूरी पर बूढ़ी माण्डू स्थित है। इसे ऋषि माण्डव्य या माण्डवी के नाम पर सिद्धक्षेत्र कहा गया है।

भारतीय रेस्तरां मैनेजर की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

लंदन ।भारतीय रेस्तरां मैनेजर की हत्या के मामले में 24 वर्षीय व्यक्ति को ब्रिटेन की एक अदालत में पेश किया जाएगा। पिछले सप्ताह काम से साइकिल से घर लौटते समय एक वाहन ने टक्कर मार दी थी। पुलिस की जांच के बाद शाजेब खालिद को गिरफ्तार किया गया। विग्नेश रमन को 14 फरवरी को एक वाहन की चपेट में आने के बाद रॉयल बर्कशायर अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया था। पुलिस ने कहा कि रीडिंग में रहने वाले सात अन्य लोगों को, जिनकी उम्र 20 से 48 वर्ष के बीच है और जिन्हें एक अपराधी की सहायता करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था, जमानत पर रिहा कर दिया गया है। पुलिस ने कहा, 'हमारी संवेदनाएं रमन के परिवार के साथ हैं, जिन्हें विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा समर्थन दिया जा रहा है। हम उनकी मौत की परिस्थितियों की जांच जारी रख रहे हैं और अब गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। उन्होंने मामले की जानकारी रखने वाले लोगों से पुलिस से संपर्क करने की अपील की और कहा कि जांच जारी रहने तक इलाके में पुलिस की स्पष्ट उपस्थिति रहेगी। इस बीच, रमन के शोक संतप्त परिवार को स्वदेश वापसी लागत और अंतिम संस्कार के खर्च में मदद करने के लिए एक वेब पेज बनाया गया है। पेज ने उन्हें 'प्यारा पति, समर्पित बेटा और निपुण पेशेवर' बताकर कहा कि 'रमन वेल में एक प्रतिबद्ध रेस्तरां प्रबंधक थे, जहां उन्होंने अपने दिल और आत्मा को अपने काम में लगा दिया, और अपने असाधारण गर्मजोशी भरे स्वभाव, ग्राहक सेवा और कार्य नैतिकता के लिए पहचान हासिल की।

फिलीपींस : ट्रक गहरी खाई में गिरा, 14 लोगों की मौत

मनीला, । फिलीपींस के मध्य में नेग्रोस ओरिएंटल प्रांत में बुधवार को एक ट्रक गहरी खाई में गिर गया जिससे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि ट्रक एक राजमार्ग पर जा रहा था। इस दौरान माबिनय शहर में अपराह्न करीब 1ः30 बजे में चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन पलट गया और वह गहरी खाई में लुढ़क गया। ट्रक के पलटने से कई यात्री उसके नीचे दब गये थे। पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गये।

अफगानिस्तान में सड़क हादसे में सात लोगों की मौत, दो घायल

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी प्रांत समांगन में मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। प्रांत के सिविल अस्पताल के प्रमुख सैयद उस्मान हामिदी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीड़ितों में दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। हादसे में घायल हुए दो व्यक्तियों की हालत गंभीर है। गौरतलब है कि भीड़भाड़ वाली सड़कों पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और यात्रा के दौरान सुरक्षा उपायों की कमी के कारण अफगानिस्तान में बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं और यात्रियों की जान जाती है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 10 महीनों में अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाओं में 1,600 से अधिक लोग मारे गये हैं और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं।

विमान का पंख क्षतिग्रस्त होने के कारण आपातकालीन लैंडिंग

सैन फ्रांसिस्को, ।अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को से बोस्टन जाने वाले वाले एक विमान को उसका पंख क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण सोमवार को आपातकालीन लैंडिंग करनी पडी। यूनाइटेड एयरलाइंस ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की और कहा कि उड़ान संख्या 354 को एक क्षतिग्रस्त पंख के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। कंपनी ने कहा कि विमान के पंख पर स्लैट के साथ एक समस्या थी लेकिन बोइंग 757-200 के नुकसान का कारण नहीं बताया। विमान में सवार 165 यात्रियों में से एक केविन क्लार्क ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें स्लेट पैनल आंशिक रूप से कटा हुआ दिखाई दे रहा है। क्लार्क ने वीडियो क्लिप में कहा कि विमान में पंख के अलग होने के कारण यह डेनवर में उतरने वाला है। विमान विंग फ्लैप की समस्या होने के बाद डेनवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम 5ः21 बजे सुरक्षित उतर गया। यूनाइटेड एयरलाइंस के अनुसार, यात्रियों को दूसरे विमान में स्थानांतरित कर दिया गया और वे मंगलवार सुबह बोस्टन लोगान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की खबर नहीं है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने कहा कि वह इस घटना की जांच करेगा। पिछले महीने, अलास्का एयरलाइंस मैक्स9 यात्री विमान के उड़ान भरने के तुरंत बाद दरवाजे का प्लग उड़ जाने के बाद एफएए ने बोइंग के 737 मैक्स9 के अधिकांश विमानों को रोक दिया था।

इसराइली सैनिकों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क को बनाया निशाना, दागी मिसाइलें

यरूशलेम। इसराइल और हमास के बीच जारी जंग ने 29 हजार से ज्यादा गाजा के लोगों की जान ले ली है. गाजा की हालात बद से बदतर हो गई है. हजारों परिवार विस्थापित हो गए हैं. इसी बीच इसराइली सैनिकों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क के कफ्र सूसा जिले को निशाना बनाया है. इसराली सैनिकों के द्वारा किए गए मिसाइल हमले में कई आवासीय इमारतें धाराशायी हो गई हैं. इस हमले की तस्दीक सीरियाई राज्य मीडिया ने की है. दरअसल, सिरिया के इस जिले को बड़ी इमारतें, स्कूलों और ईरानी सांस्कृतियों का केंद्र माना जाता है. बताया जा रहा है कि इसराइली सैनिकों ने यह हमला सीरियाई सुरक्षा एजेंसियों के कैंपस के पास किए हैं. इससे पहले भी फरवरी 2023 में एक इसराइली सैनिकों ने इस जिले को निशाना बनाया गया था, जिसमें ईरानी सैन्य विशेषज्ञ की मारे जाने की पुष्टि हुई थी. सीरियाई राज्य समाचार एजेंसी सना ने कहा कि 'इसराइली हमले' ने आवासीय इमारत को निशाना बनाया था, लेकिन इस हमले किसी की मरने की खबर नहीं हैं. हालांकि, इस हमले में बहुमंजिला इमारतों को काफी नुककसान हुआ है.वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों ने रॉयटर्स को बताया कि एक के बाद एक कई विस्फोटों को सुना. इस हमले के बाद अब इसराइली सेना की तरफ से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है. सीरिया के करीब 12 साल के संघर्ष के दौरान ईरानी राष्ट्रपति बशर अल-असद का प्रमुख समर्थक रहा है. दमिश्क और लेबनानी ग्रुप हिजबुल्लाह की सैन्य शक्ति को कमजोर करने के लिए इसराइल ने नियमित रूप से हवाई हमले किए हैं. इसराइल-हमास के बीच चार महीने से ज्यादा वक्त से जंग जारी है. यह जंग दक्षिणी इसराइल पर हमास के अचानक आक्रमण के साथ शुरू हुई थी.जिसमें करीब 1,200 इसराइली मारे गए थे और 250 से ज्यादा लोगों को हमास ने बंधक बना लिया गया था. गाजा हेल्थ मिनिस्टरी के मुताबिक, तब से लेकर इसराइल के जावबी सैन्य हमले में 29,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और हजारों परिवार को विस्थापित होना पड़ा है.

गाजा में डॉक्टरों पर इजरायली हमले में दो की मौत, छह घायल

यरूशलेम। गाजा आश्रय स्थल पर इजरायल के हमले में कम से कम दो लोग मारे गए और छह घायल हो गए, जिसमें डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (मेडिसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स, एमएसएफ) के कर्मचारी और उनके परिवार भी शामिल हैं। यह जानकारी संगठन ने बुधवार को दी। संस्थान ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर कहा, 'आज रात इजरायली बलों ने गाजा के खान यूनिस के अल मवासी में हमला किया, जहां एमएसएफ कर्मचारियों और उनके परिवारों के एक आश्रय स्थल पर गोलाबारी की गई। पूरा विवरण सामने नहीं आया हैं, एम्बुलेंस चालक दल अब साइट पर पहुंच गए हैं, जहां हमारे सहयोगियों के कम से कम दो परिवार के सदस्य मारे गए हैं और छह लोग घायल हो गए हैं। जो कुछ हुआ है उससे हम भयभीत हैं।' एमएसएफ ने जनवरी की शुरुआत में कहा था कि खान यूनिस में 100 से अधिक कर्मचारियों और उनके परिवारों के रहने वाले आश्रय स्थल हवाई हमले की चपेट में आ गए थे जिसमें चार लोग घायल हुए थे। गत सात अक्टूबर, 2023 को फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल के खिलाफ बड़े स्तर पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन किया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इज़रायल ने जवाबी हमला शुरू किया, गाजा की पूरी तरह से नाकाबंदी का आदेश दिया, और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्यों के साथ फिलिस्तीनी एन्क्लेव में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि गाजा पट्टी में अब तक कम से कम 29,000 लोग मारे गए हैं।

चीन में हुई बर्फबारी के बाद एक शापिंग माल के पास पड़ी बर्फ को हटाते हुए कर्मचारी।

पाकिस्तान चुनाव में धांधली, आरोपों की जांच के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने रावलपिंडी के पूर्व आयुक्त के आरोपों की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया, जिसमें संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के जिला रिटर्निंग अधिकारियों (डीआरओ) और रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) के बयान दर्ज किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, ईसीपी के एक वरिष्ठ सदस्य के नेतृत्व वाली समिति ने रावलपिंडी डिवीजन के 13 नेशनल असेंबली निर्वाचन क्षेत्रों और 26 प्रांतीय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के डीआरओ और आरओ के बयान दर्ज किए। विकास से जुड़े सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी (पीईएमआरए) ने रावलपिंडी के पूर्व कमिश्नर लियाकत अली चट्ठा की प्रेसवार्ता की प्रतिलिपि भी सौंपी, जिसमें ईसीपी और मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा पर 'चुनावी धांधली' में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। एआरवाई न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि डीआरओ और आरओ ने भी समिति को लिखित बयान सौंपे हैं। उच्च स्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का संकलन शुरू कर दिया है जिसे बुधवार को ईसीपी को सौंपा जाएगा। इस बीच, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सिकंदर सुल्तान राजा के तत्काल इस्तीफे की मांग तेज कर रही है, और उन्हें 2024 में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी आम चुनाव सुनिश्चित करने में कथित विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

नवलनी की मौत पर एक्शन में अमेरिका, रूस पर लगाएगा बड़े प्रतिबंध

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत और दो साल के यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका शुक्रवार को रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के एक बड़े पैकेज की घोषणा करेगा। कैलिफ़ोर्निया की यात्रा पर रवाना होते समय पत्रकारों से बात करते हुए बिडेन ने विवरण नहीं दिया। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि रूस पर नवीनतम प्रतिबंधों में देश की रक्षा और औद्योगिक ठिकानों के साथ-साथ अर्थव्यवस्था के राजस्व के स्रोतों सहित कई वस्तुओं को निशाना बनाया जाएगा।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि पैकेज नवलनी के साथ जो हुआ उसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराएगा और यूक्रेन में युद्ध के दौरान उसके कार्यों के लिए। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि युद्ध की दूसरी वर्षगांठ मनाने के लिए पहले से ही एक प्रतिबंध पैकेज की योजना बनाई जा रही थी, जिस पर वाशिंगटन अब पुनर्विचार करेगा और नवलनी की मौत के जवाब में पूरक होगा। मामले से परिचित दो सूत्रों ने बताया कि आतंकवाद और वित्तीय खुफिया विभाग के अवर सचिव ब्रायन नेल्सन इस सप्ताह यूरोप की यात्रा पर नवलनी की मौत पर प्रतिबंधों पर चर्चा कर रहे हैं।

ट्रेजरी ने कहा कि नेल्सन, यूक्रेन युद्ध की दूसरी वर्षगांठ से पहले जर्मनी, बेल्जियम और फ्रांस की यात्रा में रूस के युद्ध उत्पादन प्रयासों को वित्तपोषित करने वालों को लक्षित करने के वाशिंगटन के अधिकार पर भी चर्चा कर रहे हैं, भले ही वे तीसरे देशों में हों। इसमें कहा गया है कि अमेरिका हमारे प्रतिबंधों से बचने की कोशिश करने वालों पर आक्रामक तरीके से हमला कर रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले ही 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से संबंधित प्रतिबंधों की एक विस्तृत श्रृंखला जारी कर दी है, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, अधिकारियों और बैंकों पर प्रतिबंध शामिल हैं।

पाकिस्तान में जल्द सरकार बनने के आसार, आसिफ जरदारी बनेंगे राष्ट्रपति

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में चुनाव हुए करीब एक हफ्ता बीत गया है, अभी तक सरकार नहीं बन पाई है। राजनैतिक दलों के बीच न तो सहमति बन पा रही है और न ही अपने नेता का नाम तय कर पा रहे हैं। अब खबर आ रही है कि राजनैतिक दलों के बीच हुई बैठकों में सहमति बन गई है और जल्द ही पाकिस्तान को सरकार मिल जाएगी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के बीच एक नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए सहमति बन गई है। पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने घोषणा की कि पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ फिर से प्रधानमंत्री की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। वहीं, पीपीपी के सह-अध्यक्ष आसिफ जरदारी देश के अगले राष्ट्रपति बनेंगे।

यह घोषणा पार्टी नेताओं ने मंगलवार देर रात एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में की। रिपोर्ट के मुताबिक, भुट्टो-जरदारी ने कहा, पीपीपी और पीएमएल-एन ने जरूरी संख्या हासिल कर ली है और अब हम सरकार बनाने की स्थिति में हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित उम्मीदवारों और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के चुनावों में बहुमत हासिल करने में विफल रहने के बाद नई सरकार बनाने का फॉर्मूला सामने आया है। पत्रकारों से बात करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा कि वार्ता के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए दोनों पक्षों के नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने दोनों पार्टियों के बीच एकता और सरकार बनाने की उनकी क्षमता पर जोर दिया। आपको बता दें कि दोनों पक्षों को 8 फरवरी को हुए चुनाव में मिले खंडित जनादेश के बाद सत्ता-साझाकरण व्यवस्था पर आम सहमति तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा। पीएमएल-एन ने 75 सीटें हासिल कीं वहीं, पीपीपी 54 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) अपनी 17 सीटों के साथ उनका समर्थन करने पर सहमत हो गई है।

उपचुनाव में फिर हारी सुनक की पार्टी

ब्रिटेन ।ब्रिटेन में भारतवंशी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सरकारी नीतियों के विरोध और भ्रष्टाचार के मामलों के चलते कंजर्वेटिव पार्टी उपचुनावों में लगातार हार की परंपरा तोड़ नहीं पा रही है। हार के चलते कंजर्वेटिव पार्टी में नेतृत्व बदलने की मांग शुरू हो गई है। पार्टी के 100 सांसदों ने चुनाव से पहले इस्तीफा देने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक सांसदों को लगता है कि आगामी चुनावों में वे अपनी सीट खो देंगे। साथ ही, इनमें से कई सांसदों ने राजनीति से संन्यास लेने का फैसला लिया है। उन्होंने प्राइवेट सेक्टर में अपने लिए नौकरियां तलाशना शुरू कर दिया है। इसी महीने हाउस ऑफ कॉमन्स की जस्टिस कमेटी के प्रमुख सर बॉब नेइल और पूर्व चांसलर क्वासी क्वार्तेंग और डिप्टी प्रमुख निक्की एइकेन ने घोषणा की है कि वे संसद छोड़ रहे हैं और इस साल होने वाले चुनाव नहीं लड़ेंगे।

8 फरवरी के आम चुनाव को रद्द करने की मांग, पाक सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर लिया ये फैसला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 8 फरवरी के चुनावों में कथित अनियमितताओं पर नए चुनावों की मांग करने वाली एक याचिका को प्रचार स्टंट के रूप में खारिज कर दिया, जिससे देश में राजनीतिक अनिश्चितता को समाप्त करने के लिए गठबंधन सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता, पूर्व सैन्य अधिकारी पर अदालत के समक्ष उपस्थित होने में विफलता पर जुर्माना भी लगाया। सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर अली खान ने पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत से निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका की प्रत्यक्ष निगरानी और निगरानी में 30 दिनों के भीतर नए चुनाव कराने का आदेश देने का आग्रह किया था। उन्होंने मामले का फैसला होने तक नई सरकार के गठन को रोकने के लिए स्थगन आदेश की भी मांग की थी।

हालाँकि, याचिकाकर्ता लगातार दो सुनवाई में शामिल होने में विफल रहा। इसके बाद, पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फ़ैज़ ईसा की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मज़हर और न्यायमूर्ति मुसर्रत हिलाली शामिल थे, ने याचिका का निपटारा कर दिया और सूचित किए जाने के बाद याचिकाकर्ता पर 500,000 पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया। कि उन्हें अदालत में उपस्थित होने का नोटिस दिया गया था।

इससे पहले, अदालत को सूचित किया गया था कि अली एक पूर्व ब्रिगेडियर था जिस पर 2012 में कोर्ट मार्शल का मुकदमा चलाया गया था और उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता द्वारा शीर्ष अदालत को भेजे गए एक ईमेल को पढ़कर सुनाया, जिसमें उसने कहा था कि वह विदेश में है और अपनी याचिका वापस लेने का अनुरोध किया था। इसे पब्लिसिटी स्टंट बताते हुए सीजेपी ईसा ने कहा कि ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) अली खान ने कहा था कि वह अदालत के सामने पेश नहीं हो सकते क्योंकि वह बहरीन में थे।

उपराष्ट्रपति पोस्ट के लिए ट्रंप ने 6 नामों को किया शॉर्टलिस्ट, 2 भारतवंशी इसमें शामिल

येरुसलेम (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी बायोटेक उद्यमी से राजनेता बने विवेक रामास्वामी उन नामों में शामिल हैं, जिन्हें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में उपराष्ट्रपति पद के लिए अपने साथी के रूप में विचार कर रहे हैं। फॉक्स न्यूज टाउन हॉल कार्यक्रम के दौरान मेजबान ने ट्रम्प से उप-राष्ट्रपति पद के लिए उनकी शॉर्टलिस्ट के लिए छह संभावित विकल्पों के बारे में पूछा, जब उन्होंने दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस, पूर्व हवाई प्रतिनिधि तुलसी गबार्ड, विवेक रामास्वामी के नाम बताए। 77 वर्षीय ट्रम्प ने अन्य भारतीय-अमेरिकी राजनेता हेली का नाम नहीं लिया, जो अभी भी दौड़ में हैं।

जनवरी के मध्य में आयोवा कॉकस में अपने खराब प्रदर्शन के बाद 38 वर्षीय रामास्वामी न केवल रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में पीछे हट गए थे, बल्कि इसके विजेता ट्रम्प का भी समर्थन किया था। जब फॉक्स न्यूज टाउन हॉल इवेंट की होस्ट लौरा इंग्राहम ने उनसे पूछा कि क्या वे सभी आपकी शॉर्टलिस्ट में हैं? ट्रंप ने कहा कि वे हैं ईमानदारी से कहूं तो वे सभी लोग अच्छे हैं। वे सभी अच्छे हैं। इससे पहले अगस्त 2023 में रामास्वामी ने रिपब्लिकन नामांकन नहीं जीतने पर ट्रम्प के चल रहे साथी होने का संकेत दिया था।

समाचार पोर्टल ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि कैसे ट्रम्प बिना सोचे-समझे बात करने के लिए जाने जाते हैं और यह आश्चर्य की बात होगी यदि वह डेसेंटिस को चुनें। आयोवा कॉकस में निराशाजनक दूसरे स्थान पर रहने के बाद डेसेंटिस के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने से पहले ट्रम्प और डेसेंटिस ने एक-दूसरे को बचाने में एक साल बिताया। हालाँकि, डेसेंटिस ने तब से ट्रम्प का समर्थन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने गवर्नर पर हमला करना भी बंद कर दिया है और 'डीसैंक्टिमोनियस' उपनाम भी वापस ले लिया है जो उन्होंने उन्हें दिया था।

पुतिन मेरे बेटे का शव सौंपें, नवलनी की मां ने की रूस के राष्ट्रपति अपील

मॉस्को। रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मां ने मंगलवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हस्तक्षेप करने और उनके बेटे का शव उन्हें सौंपने की अपील की। ल्यूडमिला नवलनाया एक वीडियो में उस आर्कटिक क्षेत्र में दिखाई दीं जहां नवलनी की मौत हुई थी। वह शनिवार से अपना बेटे का शव प्राप्त करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने वीडियो में कहा, ''पांचवें दिन भी मैं अपने बेटे का शव नहीं देख पाई हूं। वे मुझे यह भी नहीं बता रहे कि उसे कहां रखा गया है।'' नवलनी की टीम द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में नवलनाया ने कहा, ''व्लादिमीर पुतिन मैं आपसे अपील करती हूं। इस मामले का समाधान केवल आप कर सकते हैं। मुझे अपने बेटे का शव देखने दें। मेरी मांग है कि शव तत्काल मुझे दिया जाए, ताकि मैं उसे सम्मान के साथ दफना सकूं।'' उनकी टीम के सदस्यों के अनुसार, रूसी अधिकारियों ने कहा है कि नवलनी की मौत का कारण अभी भी अज्ञात है और प्रारंभिक जांच जारी रहने के कारण अगले दो सप्ताह तक शव नहीं दिया जा सकता।

कनाडा ने लिया यू टर्न, अब कहने लगा- निज्जर के सहयोगी के घर हमले में विदेशी हाथ नहीं

लंदन (एजेंसी)। कनाडाई कानून प्रवर्तन ने कहा है कि उन्होंने विदेशी हस्तक्षेप से कोई संबंध स्थापित नहीं किया है क्योंकि उन्होंने खालिस्तान समर्थक नेता हरदीप सिंह निज्जर के एक सहयोगी के आवास को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी के लिए दो किशोरों पर आरोप लगाया है, जो 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में मारे गए थे। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की सरे टुकड़ी ने कहा कि इस घटना के समय, ऐसी अटकलें चल रही थीं कि यह विदेशी हस्तक्षेप से जुड़ा था। जांचकर्ताओं ने इस मामले के संबंध में विदेशी हस्तक्षेप से कोई संबंध स्थापित नहीं किया है।

सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) सहित खालिस्तान समर्थक समूहों ने आरोप लगाया था कि 1 फरवरी की सुबह सिमरनजीत सिंह के घर पर गोलीबारी के लिए भारत जिम्मेदार था। उन्होंने हमले को इस तथ्य से जोड़ा था कि सिंह ने एक विरोध प्रदर्शन आयोजित करने में मदद की थी 26 जनवरी को वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर। ब्रिटिश कोलंबिया गुरुद्वारा परिषद के प्रवक्ता और कनाडा में एक प्रमुख अलगाववादी मोनिंदर सिंह ने उस समय आउटलेट सीबीसी न्यूज को बताया कि सिमरनजीत सिंह को ऐसा लगता है कि यह भारतीय राज्य है, या उनका अभिनेता, जो यहां सक्रियता के काम से उन्हें डराने के लिए अपनी भूमिका निभा रहे हैं जो वह कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनका मानना है कि सिमरनजीत सिंह का निज्जर से संबंध एक कारण हो सकता है।

दोनों 16-वर्षीय बच्चों का नाम नहीं बताया गया है क्योंकि वे नाबालिग हैं। सरे आरसीएमपी के प्रवक्ता सीपीएल सर्बजीत के संघा ने कहा कि उन्हें 12 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था और ब्रिटिश कोलंबिया अभियोजन सेवा ने उनके खिलाफ एक जगह पर बंदूक छोड़ने और भरी हुई प्रतिबंधित बंदूक रखने के आरोपों को मंजूरी दे दी थी। उन्होंने कहा कि युवाओं को फिलहाल हिरासत में रखा जा रहा है और उनकी अगली अदालत में पेशी का इंतजार किया जा रहा है।

श्रीनगर से शिमला और उत्तराखंड तक बिछ गई सफेद बर्फ की चादर

-पर्यटकों के दिल हुए गार्डन गार्डन

श्रीनगर । हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में ताजा बर्फबारी के बाद पर्यटकों के दिल गार्डन गार्डन हो गए हैं। पहाड़ों में सफेदी ही सफेदी छाई हुई है और घरों में भी बर्फ जम रही है। कश्मीर से लेकर हिमाचल तक हर जगहों पर्यटकों का जमघट लगा हुआ है, जिसका लुत्फ बच्चों से लेकर बड़े सभी उठा रहे हैं। कश्मीर के श्रीनगर में मंगलवार को सर्दी के मौसम की दूसरी बर्फबारी हुई, जबकि घाटी के ऊंचे इलाकों में पिछले 48 घंटों में भारी बर्फबारी दर्ज की गई। गुलमर्ग में पर्यटकों का जमावड़ा लगा हुआ है और लोग स्कीइंग का लुत्फ उठा रहे हैं। श्रीनगर में अधिकारी ने बताया कि गुलमर्ग, सोनमर्ग, शोपियां, गुरेज, माछिल और घाटी के अन्य पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। बारामूला जिले में स्कीइंग रिसॉर्ट गुलमर्ग में पिछले 48 घंटों में लगभग 2.5 फुट ताजा बर्फबारी हुई है। इसी स्थान पर बुधवार से चौथे खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की मेजबानी होनी है। श्रीनगर में पिछले 24 घंटों में 29 मिलीमीटर बारिश हुई जबकि काजीगुंड में 76.8 मिमी बारिश हुई है। हिमाचल के किलाड़(पांगी) में 90 सेमी बर्फबारी हुई जबकि छितकुल और जलोरी जोत में 45 सेमी, कुकुमसेरी में 44 सेमी और गोंदला में 39 सेमी बर्फबारी हुई है। बर्फबारी ने हर किसी का मन खुश कर दिया है। पर्यटकों की शिमला में बर्फ देखने की ख्वाहिश भी पूरी हुई और पर्यटक भी बर्फबारी देखकर झूम उठे। बर्फबारी के कारण शिमला की ऊंचाई वाले इलाकों के पहाड़ बर्फ से ढक गए हैं। लद्दाख में ताजा बर्फबारी के बाद पर्यटकों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। लद्दाख में कई जगहें बर्फ से ढकी हुई हैं, जिसका आनंद पर्यटक उठा रहे हैं। इस बर्फबारी से उन किसानों को भी राहत मिली है जो कि काफी समय से शुष्क सर्दी से जूझ रहे थे। उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद पर्यटक काफी उत्साहित हैं।

फेक न्यूज पर पैनी नजर : कोई भी कर सकता है शिकायत

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान इंटरनेट मीडिया पर चल रहे फेक न्यूज और आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट की वाट्सएप और ई-मेल आइडी के जरिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। इसके लिए बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) में सोशल मीडिया पेट्रोलिंग एवं मानीटरिंग यूनिट का गठन किया है। यह यूनिट संवेदनशील, भ्रामक, आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट को लेकर लगातार ऑनलाइन नजर रखेगी। फेसबुक, यूट्यूब, एक्स, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक संवादों पर भी पैनी नजर रखते हुए कार्रवाई करेगा। ईओयू ने सोशल मीडिया यूनिट के लिए विशेष वाट्सएप नंबर और ई-मेल आइडी भी जारी किया है। आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट की वाट्सएप और ई-मेल आइडी के जरिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी। इसके लिए बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) में सोशल मीडिया पेट्रोलिंग एवं मानीटरिंग यूनिट का गठन किया है। यह यूनिट संवेदनशील भ्रामक आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट को लेकर लगातार ऑनलाइन नजर रखेगी।

एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील पर नवनीत राणा का निशाना, बोलीं- देश में रहना है तो जय श्री राम कहना होगा

महाराष्ट्र के अमरावती से लोकसभा सांसद नवनीत रवि राणा ने कहा है कि अगर इस देश में रहना है तो 'जय श्री राम' कहना होगा और एआईएमआईएम नेता इम्तियाज जलील को अमरावती से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। अमरावती में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि राम मंदिर था, अब भी है और रहेगा। नवनीत राणा ने कहा कि जिन लोगों ने संभाजी नगर को दागदार किया है उन्हें अमरावती आकर चुनाव लड़ना चाहिए। उनका पूरा इशारा एआईएमआईएम सांसद इम्तियाज जलील की तरफ था जिन्हें उन्होंने ओवैसी का गुर्गा बताया। आगे एआईएमआईएम नेता पर निशाना साधते हुए नवनीत राणा ने कहा कि इम्तियाज जलील जैसे कितने लोग आए और चले गए और उन्होंने एआईएमआईएम नेता को अमरावती से चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी। इम्तियाज की बाबरी मस्जिद जिंदा है वाली टिप्पणी पर नवनीत राणा ने कहा कि राम मंदिर जिंदा था, है और हमेशा जिंदा रहेगा। नवनीत कौर राणा एक पूर्व भारतीय अभिनेत्री हैं जिन्होंने मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में अभिनय किया। वह 2019 के लोकसभा चुनाव में एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अमरावती से निर्वाचित संसद सदस्य (सांसद) हैं।

कानपुर में राहुल गांधी को भगवान कृष्ण के रूप में दर्शाने वाले पोस्टर चिपकाए गए

कानपुर (उप्र)। कानपुर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लगे कुछ पोस्टर चर्चा का विषय बने हुए हैं। इन पोस्टर में राहुल गांधी को रथ पर सवार प्रभु श्री कृष्ण और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय को अर्जुन के रूप में दिखाया गया है। पिछली 14 जनवरी को मणिपुर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत करने वाले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की यात्रा बुधवार को उन्नाव के रास्ते कानपुर पहुंचेगी। राहुल कानपुर में जनसभा को भी संबोधित करेंगे। पोस्टर छावनी और घंटाघर इलाकों के पास स्थित माल रोड पर लगाये गये हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य संदीप शुक्ला की तरफ से से पोस्टर लगवाए गए हैं जिनमें नीचे की ओर उनकी तस्वीर लगी हुई है। इस बारे में संदीप से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

इंडिया गठबंधन की उम्मीदों को फिर लगा झटका, कमल हासन बोले- देश के लिए निस्वार्थ सोचने वाले का करूंगा समर्थन

नई दिल्ली। अटकलों के बीच कि मक्कल निधि मय्यम मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक के साथ गठबंधन वार्ता में शामिल थी, अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने बुधवार को कहा कि वह विपक्षी इंडिया ब्लॉक के साथ शामिल नहीं हुए हैं। एमएनएम की 7वीं वर्षगांठ समारोह का नेतृत्व करने के बाद चेन्नई में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए, हासन ने कहा कि राजनीतिक गठबंधन पर चर्चा चल रही है, उन्होंने कहा कि वह किसी भी ऐसे गुट का समर्थन करेंगे जो 'निःस्वार्थ भाव से' राष्ट्र के बारे में सोचेगा। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी पार्टी 'स्थानीय सामंती' राजनीति का हिस्सा नहीं बनेगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या एमएनएम इंडिया ब्लॉक में शामिल होगा, कमल हासन ने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं, यही समय है जब आपको दलगत राजनीति को धुंधला कर देश के बारे में सोचना होगा। जो कोई भी राष्ट्र के बारे में निस्वार्थ भाव से सोचेगा, मेरा एमएनएम उसका हिस्सा होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इंडिया ग्रुपिंग में शामिल हो गए हैं तो उन्होंने कहा, 'नहीं, मैं शामिल नहीं हुआ हूं।' मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम), जिसका अंग्रेजी में अनुवाद 'पीपुल्स जस्टिस सेंटर' है, की स्थापना 21 फरवरी, 2018 को कमल हासन ने की थी। एमएनएम ने सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए खुद को एक मध्यमार्गी पार्टी के रूप में स्थापित किया है। यह उन नीतियों की वकालत करता है जो आम लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देती हैं और समावेशी विकास को बढ़ावा देती हैं। अपनी स्थापना के बाद से, एमएनएम ने 2019 के लोकसभा चुनाव और तमिलनाडु में राज्य विधानसभा चुनावों में भाग लिया है, जिसका लक्ष्य प्रमुख द्रविड़ पार्टियों, अर्थात् अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के लिए एक विकल्प प्रदान करना है। हालाँकि, हासन की पार्टी प्रभावशाली प्रदर्शन करने में विफल रही।

मेयर चुनाव में धांधली को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिया मुकदमा चलाने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली को लेकर चुनाव अधिकारी पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। बता दें कि आम आदमी पार्टी के पार्षद कुलदीप कुमार को विजेता और चंडीगढ़ का महापौर घोषित कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कदाचार के लिए निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चंडीगढ़ महापौर चुनाव में स्पष्ट है कि पीठासीन अधिकारी ने जानबूझकर आठ मतपत्रों से छेड़छाड़ करने की कोशिश की है। ये मामला तब अदालत पहुंचा जब सीसीटीवी में सामने आया कि निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह 8 मतपत्रों में क्रॉस का निशान लगा रहे हैं जिन मतपत्रों को बाद में अवैध घोषित कर दिया था। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने चुनाव में पराजित उम्मीदवार कुलदीप कुमार (आम आदमी पार्टी) की याचिका पर सुनवाई की थी।

कुलदीप कुमार ने निर्वाचन अधिकारी अनिल मसीह पर चुनाव में कदाचार का आरोप लगाया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मतपत्रों की जांच की और वीडियो रिकॉर्डिंग को देखा। जिसे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा नियुक्त एक न्यायिक अधिकारी ने पेश किया था। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने शुरुआत में कहा कि वो उन मतपत्रों को देखना चाहेंगे जिन्हें अवैध घोषित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 'खरीद-फरोख्त होने' का जिक्र करते हुए कहा था कि वह चंडीगढ़ महापौर चुनाव के मतपत्र और मतगणना के दिन की पूरी वीडियो-रिकॉर्डिंग की जांच करेंगे।

सुनवई के पहले दिन कोर्ट ने कह दिया था कि नए सिरे से वोटिंग का आदेश देने की जगह, पहले ही डाले गए मतों के आधार पर नतीजे घोषित करने पर विचार किया जा सकता है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह से कुछ सवाल भी किए जिनका जवाब देकर पूरी तरह से फंसते नजर आए। दरअसल बीजेपी महापौर पद के लिए मनोज सोनकर ने 30 जनवरी को चंडीगढ़ महापौर चुनाव में कांग्रेस-आप गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल की थी। आप के कुलदीप कुमार को हराया था। सोनकर को अपने प्रतिद्वंद्वी के 12 मतों के मुकाबले 16 मत मिले। आठ मत अवैध घोषित कर दिए गए थे। अवैध घोषित किए वोट ही विवाद की वजह बन गए। सीसीटीवी में सामने आया कि रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह उन बैलेट पेपर में क्रॉस लगाकर उनसे छेड़छाड़ कर रहे थे।

भूख हड़ताल पर बैठे रहेंगे मनोज जरांगे

मुंबई। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल जारी है। उन्होंने सेज सोयरे को लागू करने की मांग को लेकर मराठा समुदाय की अहम बैठक बुलाई है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मराठा समाज को शिक्षा और नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक महाराष्ट्र विधानमंडल में सर्वसम्मति से पास हो गया है। मराठा समाज को शिक्षा और नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक मंगलवार को महाराष्ट्र विधानमंडल में सर्वसम्मति से पास हो गया। सरकार ने यह बिल पास करने के लिए एक दिन का विशेष सत्र बुलाया था। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि यह आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटे के तहत होना चाहिए क्योंकि अलग कोटा सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन होगा। इसका कोर्ट में टिकना मुश्किल होगा। पाटिल अपनी मांगों को लेकर चौथी बार भूख हड़ताल पर हैं। वह आज अपने आंदोलन के भविष्य के बारे में फैसला करेंगे। दरअसल, मराठा समाज को आरक्षण देने के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहा है। मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अंतर्गत कुनबी जाति का प्रमाणपत्र प्रदान कर उन्हें ओबीसी के तहत ही आरक्षण देने की जिद पर अड़े हैं।

मानसून मचायेगा तबाही, तेज हवा के साथ होगी बारिश, ओलावृष्टि से रहें सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आईएमडी ने देश के अनेक हिस्सों में ओलावृष्टि को लेकर सावधानी बरतने को कहा है। वहीं तेज हवाएं भी चल रही हैं। हालत यह है कि कई प्रदेशों में बसंत के मौसम में सावन जैसी फिजा बनी हुई है। जम्मू-कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल तक के मौसम में परिवर्तन देखा जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार 21 फरवरी 2024 के लिए मौसम का ताजा अपडेट जारी किया है। इसके मुताबिक, कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी का दौर जारी है। तेज हवा और ओलावृष्टि का भी पूर्वानुमान है। मौसम के तेवर में बदलाव से न केवल आमलोगों की परेशानियां बढ़ सकती हैं, जबकि किसानों को व्यापक पैमाने पर नुकसान हो सकता है। बता दें कि फरवरी का महीना देश के अधिकांश राज्यों में तकरीबन सूखा ही बीता था।

फरवरी के दूसरे सप्ताह से मौसम ने करवट लेना शुरू किया था।

इस समय पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू हो गया था। अब एक बार फिर से मौसम बरसने को तैयार है। आईएमडी के ताजा अपडेट के अनुसार, यूपी के साथ ही बिहार और पश्चिम बंगाल में मौसम का मिजाज बदल सकता है। तेज रफ्तार हवा के साथ बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना जताई गई है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट के मुताबिक, कन्नौज, कानपुर देहात, औरैया, उन्नाव और कानपुर नगर में मध्यम दर्जे की बारिश के साथ ओलावृष्टि का अनुमान जताया गया है।

इधर दिल्ली से लेकर बंगाल और सिक्किम तक में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मौसम में आर्द्रता आ गई है। दिल्ली से सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में मौसम बदलने का असर दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिला है। यहां अचानक से मौसम बदल गया और हल्की बारिश दर्ज की गई। इससे पहले सामान्य से तेज रफ्तार से हवाएं भी चलीं थीं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में बुधवार सुबह को बादल छाए हुए हैं। दूसरी तरफ, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 22 फरवरी 2024 तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिम मैदानी हिस्सों के मौसम में बदलाव की मुख्य वजह उच्च पर्वतीय इलाके हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड तक में बारिश के साथ ही बर्फबारी रिकॉर्ड की गई है। श्रीनगर के साथ ही प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में जोरदार हिमपात हुआ है। इससे सैलानियों की आवक बढ़ गई है। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के उच्च इलाकों में भी भारी हिमपात होने की सूचना मिली है। इससे सैलानियों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

राहुल गांधी के हर एक बयान पर स्मृति कर रहीं पलटवार

अमेठी (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अमेठी पहुंचते ही केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सक्रिय हो गईं। उन्होनें आव देखा न ताव राहुल के एक एक बयान पर पलटवार किया और उनके भविष्य की चिंता भी जाहिर कर दी। ऐधी की जनसभा में राहुल द्वारा वाराणसी में युवाओं के नशे में होने के बयान पर स्मृति ने मंगलवार को पलटवार किया। स्मृति ने कहा कि राहुल ने यूपी की जनता का अपमान किया है युवाओं का अपमान किया है। गांधी के मन में उत्तर प्रदेश के लिए कितना विष भरा है। वह उनके अभद्र टिप्पणी से प्रतीत होता है। दक्षिण भारत के वायनाड में जाकर राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के नागरिकों के बारे में भी टिप्पणी की थी। रामलाल जब अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे थे, तब भी प्रभु राम के प्राण प्रतिष्ठा के समारोह के निमंत्रण को उन्होंने ठुकराया था और आज काशी के पुण्य भूमि के बारे में और उत्तर प्रदेश के युवा पीढ़ी के बारे में जो अपशब्द राहुल गांधी ने कहे हैं। मैं तो कहूंगी कि कांग्रेस पार्टी का भविष्य अंधकार में है, लेकिन उत्तर प्रदेश का भविष्य बढ़ रहा है। बता दें राहुल गांधी रायबरेली में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कहा था- मैं वाराणसी गया और मैंने देखा की रात को बाजा बज रहा है। वहां पर शराब पिए सड़क पर लेटे हुए लोग बाजा बजा रहे हैं। उत्तर प्रदेश का भविष्य रात को शराब पीकर नाच रहा है... दूसरी तरफ राम मंदिर है जिसमें पीएम मोदी दिखेंगे, अंबानी दिखेंगे... आपको हिंदुस्तान के सभी अरबपति दिखेंगे लेकिन एक भी पिछड़ा या दलित व्यक्ति नहीं दिखेगा।

अमेठी सांसद ने आगे कहा- प्रगति की ओर उत्तर प्रदेश में सोमवार को ही इन्वेस्टमेंट सबमिट हुआ। एक ट्रिलियन डालर की इकोनामी का जो प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया, उस संकल्प को उत्तर प्रदेश का नौजवान ही साकार करेगा। मेरी यह हिदायत है सोनिया गांधी को, की अपने बेटे को अगर आप अच्छे संस्कार न दे सके, तो उनसे कहे कि इस प्रकार के हमारे जो पुण्य स्थल हैं। उनके बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां करना बंद करें। वरना मुंहतोड़ जवाब प्रभु तो देंगे ही जनता भी जवाब देने के लिए तैयार है।

राहुल गांधी 'अंहकार में देश का कर रहे हैं अपमान' : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा है कि वह अपनी यात्रा के दौरान लगातार देश का अपमान कर रहे हैं। यूपी के युवाओं के नशे में होने की बात कर रहे हैं। राम मंदिर के मुद्दे पर भी उन्होंने गलत टिप्पणी की है, जिसका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पुरजोर रूप से विरोध करती है और इसकी निंदा भी करती है। रविशंकर प्रसाद ने कहा की राहुल गांधी इस देश को क्या समझते हैं, अपने अहंकार के सामने देश के लोगों को कुछ नहीं समझते हैं। क्या राहुल को एक फी पास मिला हुआ है, देश को शर्मसार करने का। राहुल गांधी ने टिप्पणी की है कि राम मंदिर का निर्माण हुआ तो क्या हुआ है। वहां कोई गरीब था क्या, सब बड़े और पूंजीपति बैठे थे। रविशंकर प्रसाद ने बोला कि प्रधानमंत्री ने उन सभी मजदूरों का सम्मान किया, जिन्होंने मंदिर बनाया। उन्होंने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि कृपा करके प्रभु राम पर आप इस तरीके से टिप्पणी करना बंद करें। भाजपा नेता ने कहा कि जहां पर हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है, हजारों करोड़ों का निवेश हो रहा है, वहां यह कह रहे हैं कि पूरा यूपी का युवा नशे में डूबा हुआ है।

जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन में कर सकते हैं वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले दल बदल का सिलसिला चालू हो गया है। इसी कड़ी में इंडिया गठबंधन के सहयोगी जयंत चौधरी पाला बदल कर एनडीए में शामिल हो गए थे लेकिन अब खबर आ रही है कि जयंत का एनडीए से मोहभंग हो गया है। जिससे वो इंडिया में फिर से वापसी कर सकते हैं। लोकसभ चुनाव से पहले देश में सियासी पारा हाई हो चुका है। इसी कड़ी में दलबदल का भी सिलसिला शुरू हो चुका है। इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ कर एनडीए में शामिल हुए जयंत चौधरी का अब मन बदलता हुआ दिखाई दे रहा है। दरसअल पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले में एक आईपीएस अधिकारी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। आईपीएस अधिकारी जसप्रीत सिंह को वीडियो में साफ तौर पर सुना जा सकता है कि वो 'खालिस्तानी' कहे जाने पर काफी गुस्सा हैं और बीजेपी कार्यकर्ताओं पर लीगल एक्शन लेने की बात कह रहे हैं। इस मामले पर अब जयंत चौधरी ने भी बिना नाम लिए बीजेपी के ख़िलाफ़ नाराजगी जताई है। दरसअल जयंत चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-'मैं आईपीएस जसप्रीत सिंह का गुस्सा समझ सकता हूं!'- हालांकि उन्होंने इस मामले को लेकर बहुत ज़्यादा बात नहीं लिखी लेकिन ये पूरा मामला बीजेपी कार्यकर्ताओं के आईपीएस अधिकारी को लेकर रवैये से जुड़ा है। इसी बीच अब ये चर्चा भी है कि जयंत चौधरी एनडीए गठबंधन के साथ जाने का अपना मन बदल भी सकते हैं। फिलहाल आधिकारिक तौर पर भी वो इस गठबंधन को लेकर बहुत साफ कुछ कहते नहीं दिखे हैं। जिसके बाद ये क़यास लगाएं जा रहे हैं कि जयंत चौधरी इंडिया में फिर वापसी कर सकते हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू भी भाजपा की चौखट पर, युवराज उतरेंगे चुनावी रण में

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के रंग में रंगने की होड़ लगी हुई है। जो लोग भाजपा को छोड़ चुके थे वे फिर से आने को बेताब हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू के भाजपा में लौटने की जोरदार अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं, भगवा पार्टी एक और पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को गुरदासपुर सीट से मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। दोनों को ही लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। बता दें कि सिद्धू किसानों के मुद्दों पर केंद्र के तरीकों के आलोचक रहे हैं। हालांकि, पंजाब कांग्रेस में वह अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। वह पार्टी लाइन से अलग हटकर अपनी रैलियां निकाल रहे हैं। इसलिए कहा जा रहा है कि वह अपनी पुरानी पार्टी में वापसी करना चाहते हैं।

इधर चर्चा है कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह को भाजपा गुरदासपुर से चुनावी मैदान में उतार सकती है, जहां से सनी देओल सांसद हैं। शर्मा ने कहा, इसका

हालिया संकेत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ उनकी मुलाकात है। इससे पहले भी भाजपा ने गुरदासपुर से विनोद खन्ना और देओल जैसे सेलिब्रिटी पैराशूट उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। कहा जाता है कि नवजोत सिंह सिद्धू के राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। इसके बावजूद पंजाब कांग्रेस में उनकी एक नहीं चल रही है। इस सबके बीच भाजपा नेताओं को लगता है कि वह अपनी मूल पार्टी में फिर से शामिल हो सकते हैं। उन्हें पंजाब से लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार भी बना सकती है। भाजपा के पदाधिकारी सोमदेव शर्मा ने कहा कि सिद्धू के पार्टी में शामिल होने के पुख्ता संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा, उनके शामिल होने की प्रत्याशा में अन्य भाजपा नेताओं और संभावित उम्मीदवारों के साथ चर्चा चल रही है।

अमृतसर लोकसभा सीट परंपरागत रूप से भाजपा के लिए एक गढ़ रही है। सोमदेव शर्मा को इस बात का विश्वास है कि अगर पार्टी उन्हें अमृतसर से मैदान में उतारने का फैसला करती है तो सिद्धू एक विजयी उम्मीदवार हो सकते हैं। हालांकि, कांग्रेस नेता रमन बख्शी ने सिद्धू के बीजेपी में शामिल होने की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, जो नेता एक पार्टी से दूसरी पार्टी में घूमता रहता है, वह अपना आकर्षण और विश्वसनीयता खो देता है। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस द्वारा सिद्धू को अमृतसर के अलावा किसी अन्य लोकसभा सीट से मैदान में उतारने की संभावना है।

विदेशी वैभव की आस में हर दिन 6 महिलाएं करती हैं एनआरआई से शादी

-धोखाधड़ी से बचने एनआरआई से मैरिज पर कानून बनाकर किया लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिलाओं को विदेशी लोगों के साथ विवाह करने के बाद आने वाली मुश्किलों में कानूनी सहायता देने के लिए कानून बनाकर लागू किया गया है। क्योंकि भारत में हर साल हजारों भारतीय महिलाएं एक बेहतर भविष्य का सपना देखते हुए एनआरआई या ओसीआई से शादी कर विदेश में बस जाती हैं। इस तरह से औसतन 6 महिलाएं प्रतिदिन एनआरआई से शादी कर रही हैं। कई बार इन महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो कई मामले ऐसे भी सामने आए हैं जिसमें एक नई जिंदगी का सपना दिखाकर कई एनआरआई पति अपनी पत्नियों को अकेले छोड़कर विदेश भाग चुके हैं। ऐसे ही धोखाधड़ी के बढ़ते मामले को देखते हुए लॉ कमीशन ने अप्रवासी भारतीय (एनआरआई) और भारतीय नागरिकों के बीच होने वाली शादियों में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने की सिफारिश की है। 15 फरवरी 2024 को 22वें लॉ कमीशन के अध्यक्ष रिटायर जस्टिस रितु राज अवस्थी ने कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को गैर-निवासी भारतीयों और भारत के विदेशी नागरिकों से जुड़े वैवाहिक मुद्दों की 287वीं रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में सरकार से सिफारिश की गई है कि पासपोर्ट अधिनियम 1967 में बदलाव किया जाना चाहिए।

लॉ कमीशन की रिपोर्ट में कहा गया कि पति या पत्नी के पासपोर्ट को एक-दूसरे के साथ लिंक करना अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके अलावा दोनों के पासपोर्ट पर मैरिज रजिस्ट्रेशन नंबर लिखा जाए, ताकि पासपोर्ट में ही मैरिटल स्टेटस के बारे में जानकारी मौजूद हो। लॉ कमीशन ने कहा है कि एनआरआई और भारतीय नागरिक की शादी का 30 दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। ताकि बाद में रिश्ता टूटने पर मामले को फैमिली लॉ के दायरे में लाकर लीगल एक्शन लिया जा सके।

दरअसल आमतौर पर जब एक भारतीय नागरिक साल में 183 दिन भारत से बाहर रहता है, तो उस व्यक्ति को एनआरआई कहा जाता है, लेकिन यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। अप्रवासी भारतीय या एनआरआई के पास इंडियन सिटीजनशिप या पासपोर्ट होना चाहिए। साल 2011 में विदेश मामलों की स्थायी समिति की एक रिपोर्ट आई थी जिसमें बताया गया था कि ज्यादातर विदेशों में बसे भारतीय अपने विदेशी बेटों के लिए भारतीय दुल्हन ही चुनना पसंद करती हैं। ताकि उनके परिवार में भारतीय

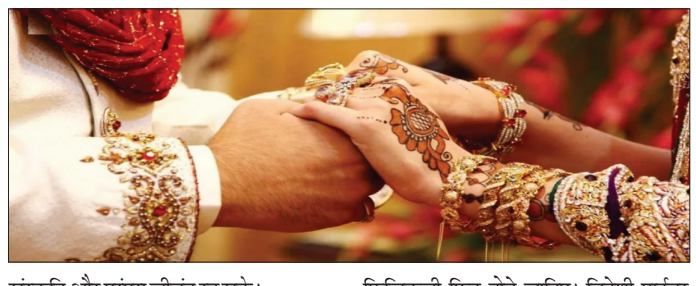

संस्कृति और परंपरा जीवंत रह सके।

नियम के मुताबिक एनआरआई से शादी के लिए स्पेशल मैरिज एक्ट 1954 के तहत रजिस्ट्रेशन जरूरी है। इस मैरिज एक्ट के तहत किसी भी जाति, धर्म या राष्ट्र से जुड़े लोग आपस में शादी कर सकते हैं। शादी करने के लिए दोनों पार्टनर की उम्र 21 और 18 से ज्यादा होनी चाहिए और दोनों पार्टनर मेंटली और फिजिकली फिट होने चाहिए। विदेशी पार्टनर का 30 दिनों से ज्यादा भारत में रहने का सबूत होना चाहिए और उसका वैलिड पासपोर्ट होना चाहिए। शादी करने के 30 दिन के भीतर एनआरआई पति को शादी का रजिस्ट्रेशन कराना होता है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो भारत सरकार भारत सरकार पासपोर्ट रद्द कर देती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

२२ फरवरी को पीएम मोदी आ रहे हैं गुजरात

गुजरात राज्य के साउथ ज़ोन के देंगे ?

४४ हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर, २१ फरवरी २०२४: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी २२ फरवरी को गुजरात के दौरे पर हैं और अपनी इस यात्रा के दौरान एक बार फिर वे गुजरातवासियों के लिए हजारों करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात देने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि फरवरी महीने में दूसरी बार प्रधानमंत्री गुजरात की जनता को विकास कार्यों का उपहार देने जा रहे हैं। हाल ही में १० फरवरी को प्रधानमंत्री ने वर्चुअली लगभग १ लाख से अधिक आवासों का लोकर्पण और शिलान्यास किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने गुजरात दौरे पर राज्य के साउथ ज़ोन के ११ जिलों में १२ विभागों के ४४ हजार करोड़ से अधिक के विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

पीएम मोदी दक्षिण गुजरात के देंगे ४४ हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

•प्रधानमंत्री २२,५०० करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित तापी के काकरापार के दो नए न्यूक्लियर पॉवर प्लान्ट्स करेंगे देश को समर्पित
•NHAI द्वारा १०,०७० करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे का एक भाग भी होगा शुरू
•१० विभिन्न विभागों के ५४०० करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भी लोकार्पण-शिलान्यास होगा
•सूरत महानगर पालिका, सूरत अर्बन डेवलपमेन्ट अथॉरिटी और DREAM सिटी के विकास कार्यों को मिलाकर ५०४० करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास
•रेलवे विभाग का भी ११०० करोड़ से अधिक के विकास परियोजनाओं का होगा लोकर्पाण-शिलान्यास

२२,५०० करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित दो नए न्यूक्लियर पॉवर प्लान्ट्स होंगे देश को समर्पित प्रधानमंत्री द्वारा जनता को समर्पित किए जाने वाले विकास कार्यों में तापी के काकरापार में स्थित दो नए न्यूक्लियर प्लान्ट का उद्घाटन प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। ७०० मेगावाट की क्षमता वाला यह न्यूक्लियर पॉवर प्लान्ट स्वच्छ एवं सतत ऊर्जा का उपयोग कर राज्य को शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की प्राप्ति की दिशा में आगे बढ़ाएगा। गुजरात में भारत के पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र, काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना (KAPP-3) में यूनिट -३ का उद्घाटन भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों द्वारा डिजाइन किया गया यह प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर (PHWR) अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्वदेशी नवाचार और अत्याधुनिक सुरक्षा उपायों का उदाहरण है।

NHAI के १०,०७० करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे एक भाग का लोकार्पण-शिलान्यास पूरे राज्य में मजबूत रोड-नेटवर्क उपलब्ध कराना गुजरात सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इस दिशा में राज्य के वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे तीन भागों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। इसमें पहला भाग लगभग ३१ किलोमीटर लंबा मनुबर से सांपा है जिसे २४०० करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है। इसी प्रकार, दूसरा भाग लगभग ३२ किलोमीटर लंबा सांपा से पादरा है जिसे ३२०० से अधिक की लागत से और तीसरा भाग लगभग २३ किलोमीटर लंबा पादरा से वडोदरा है जिसे ४३०० करोड़ से अधिक की लागत से बनाया गया है। इस तरह से १० हजार करोड़ से अधिक के NHAI की विकास परियोजनाएँ प्रधानमंत्री जनता को समर्पित करेंगे।

१० विभिन्न विभागों के ५४०० करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भी होगा लोकार्पण-शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने इस दौरे पर गुजरात के साउथ जोन के ११ जिलों वडोदरा, नवसारी, भरुच, तापी, वलसाड, पंचमहाल, सूरत, छोटाउदेपुर, दाहोद, महिसागर, और नर्मदा में १० विभिन्न विभागों के ५४०० करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भी लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। इन जिलों में ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स, मार्ग और मकान, जल संसाधन और जल वितरण, आदिजाति विकास, श्रम और रोजगार विभाग, गृह, शहरी विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, और भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के ५५ विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया जाना है।

दक्षिण गुजरात के विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास की इस लंबी श्रृंखला में रेलवे के भी ?११०० करोड़ से अधिक के विकास कार्य भी शामिल है। रेलवे के इन परियोजनाओं से दक्षिण गुजरात के कई जिले लाभान्वित होंगे।

सूरत महानगर पालिका , सूरत अर्बन डेवलपमेन्ट अथॉरिटी और DREAM सिटी के विकास कार्यों को मिलाकर ५०४० करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सूरत महानगर पालिका , सूरत अर्बन डेवलपमेन्ट अथॉरिटी और ड्रीम सिटी के विकास कार्यों को मिलाकर ५००० करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का भी शिलान्यास-उद्घाटन करेंगे। इसमें ३००० करोड़ से अधिक की लागत से ४१ विकास कार्यों का शिलान्यास होना है और २००० करोड़ से अधिक की लागत से १८ विकास परियोजनाओं का उद्घाटन होना शामिल है। लोकार्पण होने वाले कार्यों में ८४० करोड़ की लागत से ५० इलेक्ट्रिक बसेस को शुरूकरना, ५९७ करोड़ की लागत से निर्मित तापी शुद्धीकरण प्रोजेक्ट के विभिन्न कार्य ओर ४९ करोड़ की लागत से निर्मित DREAM सिटी लिमिटेड के विभिन्न कार्य तथा शिलान्यास होने वाले कार्य में ९२४ करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली जल आपूर्ति योजना, ८२५ करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले कन्वेन्शनल बैराज, सूरत अर्बन डेवलपमेन्ट अथॉरिटी विस्तार के विविध गाँवों में नल से जल योजना के तहत ४८० करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली जल आपूर्ति योजना आदि कई विकास कार्य शामिल हैं।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा 'उद्योग-२०२४' प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

२३ से २६ फरवरी, २०२४ को सुबह १०:०० बजे से शाम ६:०० बजे तक चार दिवसीय 'उद्योग-२०२४' प्रदर्शनी का आयोजन

'उद्योग-२०२४' प्रदर्शनी की जानकारी देते एसजीसीसीआई के पदाधिकारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और दक्षिणी गुजरात चैंबर व्यापार और उद्योग विकास केंद्र ने संयुक्त रूप से २३ से २६ फरवरी, २०२४ को सुबह १०ः०० बजे से शाम ६ः०० बजे तक सरसाणा स्थित सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में चार दिवसीय 'उद्योग-२०२४' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष विजयभाई मेवावाला ने 'उद्योग प्रदर्शनी' के बारे में जानकारी दी और कहा कि दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पिछले ८३ वर्षों से पूरे दक्षिण के व्यापार और उद्योग के विकास के लिए विभिन्न प्रदर्शनियों का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहा है। चैंबर की प्रमुख उद्योग प्रदर्शनी हर दूसरे वर्ष आयोजित की जाती है, जिसके तहत चैंबर ने इस वर्ष उद्योग प्रदर्शनी के १४वें संस्करण के रूप में एक भव्य 'उद्योग-२०२४' का आयोजन किया है। उद्योग प्रदर्शनी में अंकलेश्वर, अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, वापी, वलसाड, मुंबई, ठाणे, पुणे, गुरुग्राम (हरियाणा) और भोपाल के कुल १८ प्रदर्शकों ने भाग लिया है।

उद्योग प्रदर्शनी में '३ ई एक्सपो' के रूप में एक अलग मंडप आवंटित किया गया है। जिसमें ऊर्जा, दक्षता और पर्यावरण के लिए उत्पादों और प्रणालियों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इस साल सीटेक्स-२०२३, यार्न एक्सपो, स्पार्कल, सूरत स्टार्ट-अप समिट, एसजीसीसीआई गारमेंट एक्सपो, सीटेक्स-२०२४, हेल्थ एंड वेलनेस और फूड एंड एग्रीटेक एक्सपो का सफलतापूर्वक आयोजन किया था। इन सभी आठ प्रदर्शनियों में प्रदर्शकों को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

'उद्योग-२०२४' प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को होगा। सेमिनार २३ फरवरी २०२४ को सुबह १०ः०० बजे हॉल-ए, सूरत अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, सरसाना, सूरत में आयोजित किया जाएगा। जिसमें केपी एनर्जी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. फारूक पटेल के हाथों उद्घाटन होगा।

चैंबर के तत्कालीन पूर्व अध्यक्ष हिमांशु बोदावाला ने कहा कि काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन (एनपीसीआईएल) के स्टेशन निदेशक अजय कुमार भोले और भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक क्षितिज मोहन विशेष अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। जबकि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के उद्योग इंटरफेस और प्रौद्योगिकी प्रबंधन के निदेशक अरुण चौधरी, जिला उद्योग केंद्र-सूरत के महाप्रबंधक एम.के. लदानी और सौराष्ट्र व्यापार उद्योग महामंडल के अध्यक्ष पराग तेजुरा विशेष अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे।

चैंबर के मानद मंत्री निखिल मद्रासी और मानद कोषाध्यक्ष किरण थुम्मर ने बताया कि उद्योग प्रदर्शनी में कपड़ा सहायक, विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण खंड, इंजीनियरिंग खंड, पर्यावरण खंड, सेवा खंड, वैकल्पिक और नवीकरणीय ऊर्जा खंड, बैंकिंग और वित्त, देश, राज्य, सरकारी पीएसयू और कॉर्पोरेट मंडप और उनके उत्पादों के निर्माताओं द्वारा औद्योगिक सुरक्षा सेवाएं प्रदर्शित की जाएंगी।

चैंबर की सभी प्रदर्शनियों के अध्यक्ष बिजल जरीवाला ने कहा, गोदाम प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक हार्डवेयर समाधान प्रणाली, इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली, ऊर्जा बचत के लिए हीट पंप गर्म पानी उच्च दबाव प्रणाली, स्केल फ्री हीट पंप और २४ घंटे गर्म पानी प्रणाली प्रदर्शित की जाएगी। कपड़ा, हीरा, कढ़ाई, डेयरी और बेकरी, होटल और आभूषण उद्योगों के लिए आवश्यक सभी प्रकार के वेंटिलेशन सिस्टम यहां प्रदर्शित किए जाएंगे।

'उद्योग-२०२४' प्रदर्शनी के अध्यक्ष भावेश टेलर ने कहा कि इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेशन सेगमेंट में ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, एसी और डीसी ड्राइव, केबल, स्विच गियर, इनवर्टर, यूपीएस और बैटरी आदि का प्रदर्शन किया जाएगा। इंजीनियरिंग और संबद्ध खंड में मशीन टूल्स, गियर्स और मोटर्स, टेक्सटाइल सहायक उपकरण, कंप्रेसर, पंप और वाल्व, कटिंग टूल्स, मशीन टूल्स सहायक उपकरण, विशेष लेजर और एडिटिव विनिर्माण, वेल्डिंग उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं, पावर टूल्स और फास्टनर, औद्योगिक हार्डवेयर सामग्री हैंडलिंग, खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन और वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली का प्रदर्शन किया जाएगा।

सेवा खंड में बैंकिंग, वित्त और बीमा, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग और आईटी सेवाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

जबकि नवीकरणीय ऊर्जा खंड में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ऊर्जा, जल ऊर्जा, जनरेटर, ट्रांसफार्मर, इलेक्ट्रोकेमिकल आदि प्रत्येक उद्योग से संबंधित ऊर्जा प्रणाली का प्रदर्शन किया जाएगा।

असामाजिक तत्वों ने सिटी बस को निशाना बनाया, पथराव कर सामने का शीशा तोड़ दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लिंबायत मिठी खाड़ी इलाके में चार-पांच युवकों ने बस को निशाना बनाया

असामाजिक तत्वों ने बस का शीशा तोड दिया

सूरत की सिटी बस लगातार हादसों समेत अन्य मुद्दों को लेकर विवादों में रहती है। फिर एक बार बस पर पत्थरबाजी चर्चा में आ गई है। बस क्रमांक २५४ रात को लिंबायत क्षेत्र से गुजर रही थी, इसी बीच असामाजिक तत्वों द्वारा पथराव कर बस का अगला शीशा तोड दिया। वहीं पुलिस ने पूरे मामले पर केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। नगर निगम द्वारा संचालित सिटी बस क्रमांक २५४ (जीजे बीजेड ६९६) कल रात को लिंबायत से गुजर रही थी। इसे असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया। मीठी खाड़ी में चार-पांच युवकों ने पथराव कर बस का शीशा तोड दिया। सौभाग्य से, यात्रियों के उतर जाने से किसी को चोट नहीं आई। लेकिन सबसे पहले मैंने १०० नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद लिंबायत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। इसलिए अब पुलिस ने आगे की जांच की है।

सूरत में ५ और ९ साल की बच्चियों से रेप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में आज मासूम बच्चियों से दुष्कर्म के दो मामले सामने आए हैं, जिसमें गोडादरा में एक ९ साल की बच्ची के साथ दो युवकों ने डेढ़ महीने के दौरान दो बार सामूहिक दुष्कर्म किया। वेड रोड पर त्रिलोक सोसायटी के अखंड आनंद कॉलेज के पास ५ साल की बच्ची रो रही थी। एक जागरूक नागरिक ने बच्ची को देखा और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को अस्पताल पहुंचाया. जहां यह बात सामने आई कि लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया है तो पुलिस ने जांच शुरू की। हालांकि, पुलिस ने ५ साल की बच्ची से रेप करने वाले २९ साल के नराधम और ९ साल की बच्ची से रेप करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है.

सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारी भाजपा में शामिल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राम मंदिर को लेकर कांग्रेस का रुख साफ नहीं है, २०० से अधिक कार्यकर्ताओं ने केसरियो धारण किया

कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए

लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, लेकिन चुनाव से पहले ही धीरे-धीरे दलबदल शुरू हो चुका है। सूरत में कांग्रेस पार्टी का दबदबा फिलहाल कमजोर होता नजर आ रहा है, वहीं दूसरी ओर बीजेपी में नए कार्यकर्ताओं के शामिल होने का सिलसिला भी जारी है। आज भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की उपस्थिति में कांग्रेस के पूर्व नगरसेवक, पूर्व महामंत्री, पूर्व शहर उपाध्यक्ष ने केसरियो पटका पहना और भाजपा में शामिल हुए।

सूरत में कांग्रेस पार्टी टूटने की स्थिति जारी है। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं वैसे-वैसे बीजेपी अपने संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है । तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अपने संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ अपने कार्यकर्ताओं को बचाए रखने में भी नाकाम साबित हो रही है। वर्षों से कांग्रेस के लिए समर्पित परिवार के युवा नेता भी अब भाजपा में शामिल हो रहे हैं। बीजेपी कार्यालय में आज कांग्रेस के पूर्व नेताओं और पदाधिकारियों ने जय श्री राम का नारा लगाते हुए केसरियो धारण किया।

राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले निकेत सूनिल पटेल ने आज कांग्रेस छोड़ केसरियो ध्वज अपने हाथ में ले लिया है। उन्होंने आज कहा कि राम मंदिर मुद्दे पर कांग्रेस अपना रुख साफ नहीं कर पाई है। यह बहुत दु:खद है कि कांग्रेस ने अपनी बात स्पष्ट नहीं की चाहे वह राम मंदिर निर्माण की बात हो या प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम की। कांग्रेस में गुटबाजी अब भी बरकरार है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, मैं लंबे समय से इंतजार कर रहा था और आखिरकार आज बड़ी संख्या में प्रतिबद्ध कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है।